NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 162 लखनऊ, बुधवार 24 जनवरी 2024 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

पराक्रम दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए पीएम मोदी, बोले- नेताजी का जीवन और उनका योगदान, युवा भारत के लिए प्रेरणा

एजेंसी।

नई दिल्ली मोदी ने कहा कि कल ही पूरा विश्व, भारत की सांस्कृतिक चेतना के एक ऐतिहासिक पड़ाव का साक्षी बना है। भव्य राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की ऊर्जा को, उन भावनाओं को, पूरे विश्व ने, पूरी मानवता ने अनुभव किया है। और आज हम नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जन्म–जयंती का उत्सव मना रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर आयोजित पराक्रम दिवस समारोह में भाग लिया। पराक्रम दिवस के अवसर पर लाल किले में आयोजित एक प्रदर्शनी का उन्होंने निरीक्षण भी किया। मोदी ने पराक्रम दिवस के अवसर पर आईएनए के अनुभवी लेफ्टिनेंट आर माधवन को सम्मानित किया। इस दौरान पराक्रम

दिवस की बधाई देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आजाद हिंद फौज के क्रांतिवीरों के सामर्थ्य का साक्षी रहा ये लाल किला आज फिर नई ऊर्जा से जगमग है। अमृतकाल के शुरुआती वर्ष... पूरे देश में संकल्प से सिद्धि का उत्साह... ये पल वाकई अभूतपूर्व है। मोदी ने कहा कि कल ही पूरा विश्व, भारत की सांस्कृतिक चेतना के एक ऐतिहासिक पड़ाव का साक्षी बना है। भव्य राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की ऊर्जा को, उन भावनाओं को, पूरे विश्व ने, पूरी मानवता ने अनुभव किया है। और आज हम नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जन्म–जयंती का उत्सव मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज पराक्रम दिवस पर लाल किले से भारत पर्व का भी आरंभ हो रहा है। अगले 9 दिनों में भारत पर्व में गणतंत्र दिवस की झांकियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा देश की विविधता का प्रदर्शन किया जाएगा। मोदी ने कहा कि नेताजी ने भारत की आजादी के लिए अपने सपनों, अपनी आकांक्षाओं की तिलांजलि दे दी। वे चाहते तो अपने लिए एक अच्छा जीवन चुन सकते थे, लेकिन उन्होंने अपने सपनों को भारत के संकल्प के साथ जोड़ दिया। नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये नेताजी ही थे जिन्होंने पूरी ताकत से डवजीमत व क्मउवबतंबल के रूप में भारत की पहचान को विश्व के सामने रखा। जब दुनिया में कुछ लोग भारत में लोकतंत्र के प्रति आशंकित थे, तब नेताजी ने उन्हें भारत के लोकतांत्रिक अतीत को याद दिलाया। नेताजी कहते थे कि लोकतंत्र, मानव संस्था है। उन्होंने कहा कि नेताजी जानते थे कि गुलामी सिर्फ शासन की ही नहीं होती है, बल्कि विचार और व्यवहार की भी होती है। इसलिए उन्होंने विशेष रूप से तब की युवा पीढ़ी में इसको लेकर चेतना पैदा करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि नेताजी का जीवन और उनका योगदान, युवा भारत के लिए एक प्रेरणा है। ये प्रेरणा हमारे साथ हमेशा रहे, कदम–कदम पर रहे इसके लिए बीते 10 वर्षों में हमने निरंतर प्रयास किया है। हमने कर्तव्य पथ पर नेताजी की प्रतिमा को उचित स्थान दिया है। हमारा मकसद है– कर्तव्य पथ पर आने वाले हर देशवासी को नेताजी का कर्तव्य के प्रति समर्पण याद रहे। मोदी ने कहा कि आजाद हिंदुस्तान में किसी सरकार ने आजाद हिंद फौज को समर्पित इतना काम नहीं किया, जितना हमारी सरकार ने किया है और इसे मैं अपनी सरकार का सौभाग्य मानता हूं।

राष्ट्रपति के पत्र के लिए पीएम मोदी ने जताया आभार, बोले- एक अयोध्या अपने मन में लेकर लौटा हूं

एजेंसी।

नई दिल्ली मोदी ने अपने पत्र में लिका कि अयोध्या धाम में अपने जीवन के सबसे अविस्मरणीय क्षणों का साक्षी बनकर लौटने के बाद, मैं आपको यह पत्र लिख रहा हूं। मैं, एक अयोध्या अपने मन में भी लेकर लौटा हूं। एक ऐसी अयोध्या जो कभी मुझसे दूर नहीं हो सकती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राम मंदिर श्प्राण प्रतिष्ठाश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पत्र का जवाब देते हुए कहा कि वह अपने दिल में एक अयोध्या लेकर लौटे हैं जो उनसे कभी दूर नहीं जाएगी। पत्र में लिखा कि मैंने एक तीर्थयात्री के रूप में अयोध्या धाम की यात्रा की। भक्ति और इतिहास के ऐसे संगम वाली पवित्र भूमि पर पहुँचकर मैं

भाव–विभोर हो गया। अपने पत्र में पीएम मोदी ने कहा, ष्दो दिन पहले मुझे आदरणीय राष्ट्रपति जी का एक बहुत ही प्रेरणादायक पत्र मिला। आज मैंने एक पत्र के माध्यम से अपना आभार व्यक्त करने का प्रयास किया है। मोदी ने अपने पत्र में लिका कि अयोध्या धाम में अपने जीवन के सबसे अविस्मरणीय क्षणों का साक्षी बनकर लौटने के बाद, मैं आपको यह पत्र लिख रहा हूं। मैं, एक अयोध्या अपने मन में भी लेकर लौटा हूं। एक ऐसी अयोध्या जो कभी मुझसे दूर नहीं हो सकती। अयोध्या जाने से एक दिन पूर्व मुझे आपका पत्र मिला था। आपकी शुभकामनाओं और स्नेह का मैं बहुत–बहुत आभारी हूं। आपके पत्र के हर शब्द ने आपके करुणामयी स्वभाव और प्राण–प्रतिष्ठा के आयोजन पर आपकी असीम प्रसन्नता को व्यक्त किया। जिस समय मुझे आपका पत्र मिला था, मैं एक अलग ही भावयात्रा में था। आपके पत्र ने मुझे, मेरे मन की इन भावनाओं को संभालने में, उनसे सामंजस्य बिठाने में अपार सहयोग और संबल दिया। प्रधानमंत्री ने आगे लिखा कि मैंने एक तीर्थयात्री के रूप में अयोध्या धाम की यात्रा की। जिस पवित्र भूमि पर आस्था और इतिहास का ऐसा संगम हुआ हो, वहां जाकर मेरा मन अनेक भावनाओं से विह्वल हो गया।

बिहार के पूर्व सीएम कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न, पिछड़े वर्गों के हितों की करते रहे थे वकालत

एजेंसी।

पटना बिहार कर्पूरी ठाकुर बिहार के 11वें मुख्यमंत्री रहे हैं। 22 दिसंबर 1970 से लेकर 2 जून 1971 तक वह बिहार के मुख्यमंत्री रहे। कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित कर भाजपा कहीं ना कहीं बिहार के ओबीसी और पिछड़ों के वोट पर नजर रखने की कोशिश करेगी। कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया। वह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री थे और पिछड़े वर्गों के हितों की वकालत

करने के लिए जाने जाते थे। कर्पूरी ठाकुर को बिहार की राजनीति का एक बड़ा नाम माना जाता है। कर्पूरी ठाकुर अपनी साधारण जीवन के लिए जाने जाते हैं। नीतीश कुमार की पार्टी जदयू लगातार कर्पूरी ठाकुर को अपना आदर्श मानती रही है। कर्पूरी ठाकुर बिहार के 11वें मुख्यमंत्री रहे हैं। 22 दिसंबर 1970 से लेकर 2 जून 1971 तक वह बिहार के मुख्यमंत्री रहे। कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित कर भाजपा कहीं ना कहीं बिहार के ओबीसी और पिछड़ों के वोट पर नजर रखने की कोशिश करेगी। कर्पूरी ठाकुर का जन्म 24 जनवरी 1924 को बिहार के समस्तीपुर जिले के पितौंझिया (अब कर्पूरी ग्राम) गाँव में गोकुल ठाकुर और रामदुलारी देवी के घर नाई जाति में हुआ था। वह जन नायक के नाम से मशहूर थे। 1942 से लेकर 1946 तक समाजवादियों का आजादी के आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान रहा। कर्पूरी ठाकुर पढ़ाई बीच में ही छोड़कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में चल रहे स्वतंत्रता संग्राम में कूद गये थे। उन्होंने 1942 के भारत छोड़ो आन्दोलन के समय 26 महीने जेल में बिताए थे।

अयोध्याधाम में नगर विकास विभाग द्वारा कराये गए कार्यों की भारत सरकार ने की प्रशंसा

विभाग द्वारा लगातार प्रयास किये जायेंगे– ए.के. शर्मा

संवाददाता। लखनऊ। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम मंदिर में श्री रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा में देश–विदेश से आये लाखों श्रद्धालुओं ने अयोध्याधाम की स्वच्छता और शुशोभन की खूब सराहना की है। नगर विकास विभाग द्वारा अयोध्या धाम की स्वच्छता, सौंदर्यता तथा पुराने गौरव के साथ दिव्य और भव्य अयोध्याधाम के दर्शन कराने के लिए मानवबाल, स्वच्छता उपयोगी मशीनों और उपकारणों की पूरी श्रृंखला समर्पित कर दी थी। भारत सरकार के मंत्रालय 'महुआ' (डपदपेजतल वि भ्वनेपदह – न्तइंदर्ि ।पत) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट कर प्रदेश के नगर विकास विभाग द्वारा लगाए गए 2500 से अधिक सफाईमित्रों जिन्होंने 24□7 सेवा देकर अयोध्या धाम के कोने–कोने को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने का कार्य किया है, इसकी प्रशांसा की है।देश के प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी और सूबे के ऊर्जावान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा जी के कुशल निर्देशन में नगर विकास विभाग द्वारा अयोध्या धाम की स्वच्छता और सुंदरता के लिए कराये गए कार्यों की जमकर प्रशांसा हो रही है। वहीं 'महुआ' ने भी 'एक्स' पर पोस्ट कर अयोध्याधाम को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए कार्यरत 2500 से अधिक स्वच्छता साथी की प्रशंसा की है। अयोध्या धाम में भारत की प्राचीन संस्कृति के गौरव का बोध कराने के लिए नगर विकास विभाग से मानवबल और स्वच्छता उपकरणों को श्रीराम की नगरी को समर्पित कर दिया गया। 2500 से अधिक सफाईमित्र,155 सफाई व अन्य उपयोगी उपकरण, 800 पोर्टेबल टॉयलेट्स भी अयोध्याधाम में स्थापित कर श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण देने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। नगर विकास मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने अयोध्या धाम को स्वच्छ और सुन्दर बनाने के लिए लखनऊ और गोरखपुर नगर निगम से पर्याप्त मैनपावर और मशीनरी उपलब्ध कराई। एयरपोर्ट, बस व रेलवे स्टेशनों व ऐतिहासिकधार्मिक स्थलों की साफ–सफाई, सुशोभन व अन्य व्यवस्था के साथ मुख्य मार्गों की साफ–सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया।

अल्लाह की कसम..., ममता ने सार्वजनिक रैली में कहा- बीजेपी का समर्थन करने वालों को माफ नहीं करूंगी

एजेंसी।

पश्चिम बंगाल ममता बनर्जी की टिप्पणी, जिसे इंडिया ब्लॉक के इरादे के रूप में देखा जाता है, ने कहा, ष्एक बात याद रखें, बीजेपी की मदद न करें। अगर आप में से कोई भी बीजेपी का समर्थन करता है, तो अल्लाह की कसम, तुम्हें कोई माफ नहीं करेगा। मैं तुम्हें माफ नहीं करूंगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी की एक रैली में कहा कि वह ष्अल्लाहष् की कसम खाती हैं कि वह पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मदद करने वालों को माफ नहीं करेंगी। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की सार्वजनिक रैली – जिसे श्संप्रति रैलीश कहा जाता है, को राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने सोमवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में राम मंदिर श्प्राण प्रतिष्ठाश कार्यक्रम के प्रतिवाद के रूप में देखा गया। ममता बनर्जी की टिप्पणी, जिसे इंडिया ब्लॉक के इरादे

के रूप में देखा जाता है, ने कहा, ष्एक बात याद रखें, बीजेपी की मदद न करें। अगर आप में से कोई भी बीजेपी का समर्थन करता है, तो अल्लाह की कसम, तुम्हें कोई माफ नहीं करेगा। मैं तुम्हें माफ नहीं करूंगी।श एक भाषण में उन्होंने बांग्ला और हिंदी के बीच स्विच किया। अपेक्षाकृत आक्रामक भाषण में, टीएमसी बॉस ने कहा, ष्काफिर, कायर भाग जाते हैं, जो लड़ते हैं, वे जीतते हैं वे काम करते हैं।ष उन्होंने कहा कि उनमें बीजेपी से लड़ने की हिम्मत है, लेकिन उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी जा रही है। राम मंदिर समारोह वाले दिन ही रैली निकालकर साहस बढ़ाया। उन्होंने कहा, ष्इतने सारे राजनीतिक दल हैं, उनमें से कितनों ने साहस दिखाया।ष इंडिया ब्लॉक पर लक्षित आगे की टिप्पणियों में, बनर्जी ने कहा कि वह विपक्षी गठबंधन की बैठकों में अपमानित महसूस करती हैं क्योंकि यह सीपीआई (एम) है जो बैठक में कॉल लेती है, जिस पार्टी से उन्होंने दशकों तक लड़ाई लड़ी है। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल की तरह भाजपा को सीधी टक्कर कोई नहीं दे रहा है। कोलकाता में आयोजित सर्व–धर्म रैली को संबोधित करते हुए टीएमसी नेता ने कहा, ''मैं इस बात पर जोर देती हूं कि कुछ विशेष क्षेत्रों को क्षेत्रीय दलों के लिए छोड़ दिया जाना चाहिए। वे (कांग्रेस) अकेले 300 (लोकसभा) सीट पर लड़ सकते हैं और मैं उनकी मदद करूंगी। मैं उन सीट पर चुनाव नहीं लड़ूंगी लेकिन वे अपनी बात पर अड़े हुए हैं।'' कांग्रेस का स्पष्ट रूप से उल्लेख किए बिना ममता बनर्जी ने राज्य में सीट–बंटवारे को लेकर बातचीत में देरी के लिए उसकी आलोचना की। उन्होंने कहा, ''मेरे पास भाजपा से मुकाबला करने और उनके खिलाफ लड़ने की ताकत और जनाधार है। लेकिन कुछ लोग सीट बंटवारे को लेकर हमारी बात नहीं सुनना चाहते। अगर आप भाजपा से नहीं लड़ना चाहते तो कम से कम उसके खाते में सीट तो मत जाने दें।'' बनर्जी ने 'इंडिया' गठबंधन की बैठक के एजेंडे को नियंत्रित करने की मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत मोर्चे की कोशिश को स्वीकार करने के प्रति अनिच्छा जताई।

सद्भावना रैली के जरिए ममता बनर्जी ने खेला कौन सा दांव, अब क्या करेगी

एजेंसी

पश्चिम बंगाल ममता ने हिंदुओं को भी अपने साथ रखने की कोशिश की है। ममता का उद्देश्य यह बताना है कि वह सभी धर्म को एक नजर से देखती हैं और किसी के बीच भेदभाव नहीं करती। लेकिन कहीं ना कहीं ममता की इस रैली को सियासी नफा नुकसान से जोड़कर देखा जा रहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव से पहले धर्म का राजनीतिकरण करने के प्रयास के लिए भाजपा पर निशाना साधा और भगवान राम के बारे में विमर्श से देवी सीता को हटा देने के लिए उसे ''महिला विरोधी'' करार दिया। ममता बनर्जी की सद्भावना रैली को लोकसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। एक ओर जहां भाजपा हिंदुत्व की राजनीति पर जोर दे रही है तो वहीं ममता बनर्जी अपनी इस रैली के जरिए पश्चिम बंगाल में एक खास समुदाय के वोट बैंक को साधने की कोशिश की। ममता ने हिंदुओं को भी अपने साथ रखने की कोशिश की है। ममता का उद्देश्य यह बताना है कि वह सभी धर्म को एक नजर से देखती हैं और किसी के बीच भेदभाव नहीं करती। लेकिन कहीं ना कहीं ममता की इस रैली को सियासी नफा नुकसान से जोड़कर देखा जा रहा है। अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) द्वारा आयोजित मार्च का नेतृत्व करते हुए ममता ने देश में धर्मनिरपेक्षता और समावेशिता के सिद्धांतों को संरक्षित करने में बंगाल

की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ''मैं चुनाव से पहले धर्म का राजनीतिकरण करने में विश्वास नहीं करती। मैं ऐसी परिपाटी के खिलाफ हूं। मुझे भगवान राम की पूजा करने वालों से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन लोगों की खान–पान की आदतों में हस्तक्षेप पर आपत्ति है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि वे (भाजपा) भगवान राम के बारे में बात करते हैं, लेकिन देवी सीता का क्या? वह वनवास के दौरान हमेशा भगवान राम के साथ रहीं। वे उनके बारे में नहीं बोलते क्योंकि वे महिला विरोधी हैं। हम देवी दुर्गा के उपासक हैं, इसलिए हमें धर्म के बारे में उपदेश देने की उन्हें कोशिश नहीं करनी चाहिए। टीएमसी प्रमुख ने विभिन्न धर्मों के नेताओं और अपनी पार्टी के नेताओं के साथ कोलकाता के हाजरा मोड़ से यात्रा शुरू की और यह पार्क सर्कस क्रॉसिंग पर समाप्त हुई। यात्रा के दौरान, उन्होंने रास्ते में एक मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च का दौरा किया। सीएम के साथ चलने वालों में नाखोदा मस्जिद के इमाम मोहम्मद शफीक कासमी, श्रद्धेय परितोष कैनिंग और बौद्ध धार्मिक नेता अरुणज्योति भिक्खु शामिल थे। सफेद और नीली बॉर्डर वाली सूती साड़ी पहने और गले में शॉल लपेटे बनर्जी को सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों का हाथ जोड़करअभिवादन करते देखा गया। अभिषेक बनर्जी ने अपने भाषण में कहा कि कोई कहता है हिंदू खतरे में है. कोई कहता है मुसलमान खघ्तरे में है। मैं कहता हूं कि धरम का चश्मा हटा के देखो, पूरा हिंदुस्तान खतरे में है। उनका निशाना सीधे तौर पर भाजपा पर था। भाजपा देश में राष्ट्रवाद और हिंदुत्व को लेकर अपनी राजनीति को उधार देने की कोशिश में लगी हुई है। पश्चिम बंगाल में भी उसने पिछले चुनाव में हिंदुत्व को जबरदस्त तरीके से उठाया है। इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा पश्चिम बंगाल में अपने 2019 के प्रदर्शन में और सुधार करने की उम्मीद में है। पश्चिम बंगाल में लोकसभा के 42 सीटें हैं जिसमें से भाजपा ने पिछले चुनाव में 18 पर जीत हासिल की थी। इस बार पार्टी ने राज्य में 35 प्लस जीतने का लक्ष्य रखा है। लेकिन ममता बनर्जी 40 सीटों पर जीत हासिल करने की तैयारी में है। ऐसे में इस चुनाव में भाजपा और ममता के बीच जोरदार टक्कर होने की संभावना है। ममता बनर्जी सद्भावना रैली के जरिए मुस्लिम मतदाताओं को अपने पाले में रखने की तैयारी में है। बंगाल में करीब 30 फीसदी मुस्लिम मतदाता है जो विधानसभा की लगभग 100 सीटों पर निर्णायक भूमिका में है। राज्य में 46 विधानसभा की सीटें ऐसी हैं जहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या 50: से ज्यादा है

कारतूस बदलने का वक्त आ गया...25 तारीख बिहार की राजनीति के लिए रहने वाला है बहुत खास ?

एजेंसी

पटना बिहार कभी नीतीश के लिए नो एंट्री का बोर्ड लगाने वाले मोदी के चाणक्य अमित शाह की तरफ से प्रस्ताव आने पर विचार करने के दावे किए जाते हैं। नीतीश अचानक राज्यपाल से मिलने चले जाते हैं। कुल मिलाकर कहें तो लगातार ऐसी खबरें सामने आ रही है किबिहार की महागठबंधन की सरकार वेंटिलेटर पर चली गई है और कभी भी नीतीश कुमार की तरफ से वेंटिलेटर हटा दी जाने की सूरत में इसके गिरने के दावे भी लोकल मीडिया चौनलों की तरफ से किया जा रहा है। बिहार कूटनीति, राजनीति और अर्थशास्त्र के पंडित माने जाने वाले चाणक्य की धरती है। जिसने चंद्रगुप्त मौर्य के पाटलिपुत्र पर राज करने के तरीकों और राजनीति के रहस्यों से रूबरू करवाया। लेकिन वर्तमान दौर में बिहार की सियासी फिजां में रोज नए कयास लगाए जा रहे हैं। कभी नीतीश कुमार के इंडिया गठबंधन के संयोजक बनाए जाने की बात सामने आती है। अगले ही क्षण नीतीश के कांग्रेस से नाराज होने की खबरे सुर्खियां बनाती हैं। नौकरियों की बहार के दौर में विज्ञापन से डिप्टी सीएम तेजस्वी बाहर नजर आते हैं तो नीतीश इस पूरी योजना को सात निश्चय पार्ट–2 का हिस्सा बताते हैं। कभी नीतीश के लिए नो एंट्री का बोर्ड लगाने वाले मोदी के चाणक्य अमित शाह की तरफ से प्रस्ताव आने पर विचार करने के दावे किए जाते हैं। नीतीश अचानक राज्यपाल से मिलने चले जाते हैं। कुल मिलाकर कहें तो लगातार ऐसी खबरें सामने आ रही है किबिहार की महागठबंधन की सरकार वेंटिलेटर पर चली गई है और कभी भी नीतीश कुमार की तरफ से वेंटिलेटर हटा दी जाने की सूरत में इसके गिरने के दावे भी लोकल मीडिया चौनलों की तरफ से किया जा रहा है। 23 जून 2023 को जब नीतीश कुमार नरेंद्र मोदी के अश्वमेघ यज्ञ वाले घोड़े को रोकने के

लिए मीटिंग बुलाते हैं तो पहली नजर में इसे उनके फिर से पीएम मैटेरियल वाले ख्याब के जिंदा होने के दावे कई वर्ग की तरफ से किए जाते हैं। लेकिन बंगाल में एक दूसरे के खिलाफ रही ममता और वाम दलों को एक साथ लाने के अलावा कांग्रेस की दो सरकारों (दिल्ली, पंजाब) को हटा सत्ता में आने वाली आम आदमी पार्टी के बीच भी ऐसा गठजोड़ करा देते हैं जिसकी बानगी चंडीगढ़ मेयर चुनाव में दोंनों के गठबंधन कर चुनाव में जाने की बात से साफ हो जाता है। लेकिन इंडिया गठबंधन के विचार को जन्म देने वाले नीतीश कुमार ने ऐसा सोचा भी नहीं होगा कि उनके साथ ही बड़ा खेल हो जाएगा। संयोजक के नाम बुलाई गई बैठक में राहुल गांधी की तरफ से कहा गया कि ममता बनर्जी और अखिलेश यादव इस बैठक में मौजूद नहीं हैं। नीतीश को संयोजक बनाने को लेकर सहमति नहीं बन पा रही। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक राहुल के बयान पर भड़कते हुए ललन सिंह ने माइक अपनी तरफ करते हुए कहा कि हम मांगने नहीं गए थे। इसके बाद से ही सबकुछ बदलता नजर आया।

डा. जगदीश गाँधी को नम आँखों से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की लखनऊवासियों ने

लखनऊ, 23 जनवरी। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर द्वितीय कैम्पस का विशाल सभागार आज सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी के प्रेरक व्यक्तित्व, उनकी स्मृतियों एवं जनमानस की भावनाओं के अतिरेक से भावविभोर रहा, जहाँ हजारों की संख्या में लखनऊवासियों ने नम आँखों डा. जगदीश गाँधी को भावभीनी श्रंद्धान्जलि अर्पित की। उनका पार्थिक शरीर आज अन्तिम दर्शन हेतु सी.एम.एस. गोमती नगर द्वितीय कैम्पस में रखा गया। लखनऊ की तमाम मूर्धन्य हस्तियों के साथ ही छात्रों, शिक्षकों व अभिभावकों के विशाल जनसमुदाय ने नम आँखों से डा. जगदीश गाँधी को श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके साथ जुड़ी अपनी यादों को संजोया और परमपिता परमात्मा से उनकी पवित्र आत्मा की शान्ति की प्रार्थना की। डा. जगदीश गाँधी की पत्नी डा. भारती गाँधी, पुत्र श्री विनय गाँधी, पुत्री डा. सुनीता गाँधी, प्रो. गीता गाँधी किंगडन, प्रो. नीता गाँधी फारुही व अन्य परिवारीजनों के साथ ही सी.एम.एस. प्रधानाचार्याओं, कार्यकर्ताओं एवं भारी संख्या में लखनऊ के जनमानस ने डा. जगदीश गाँधी को श्रद्धान्जलि अर्पित की।

प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने डा. जगदीश गाँधी के निधन पर प्रेषित शोक संदेश में हुए कहा कि 'वसुधैव कुटुम्बकम' के सिद्धान्त को अंगीकार कर डा. जगदीश गाँधी ने सिटी मोन्टेसरी स्कूल के लाखों छात्र–छात्राओं के आचरण में भी इस सिद्धान्त को अंकित करने का कार्य किया। भारत में मॉरीशस के राजदूत ने भी मॉरीशस सरकार की ओर से शोक संदेश प्रेषित किया है। आज लखनऊ की तमाम मूर्धन्य हस्तियों ने सी.एम.एस. गोमती नगर द्वितीय कैम्पस आडिटोरियम पधारकर डा. जगदीश गाँधी को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनमें उप–मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, समाजवादी पार्टी के प्रमुख श्री अखिलेश यादव, पूर्व उप–मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा, प्रदेश के मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्रा, आई.ए.एस., पूर्व मंत्री, उ.प्र. डा. महेन्द्र सिंह, सांसद श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी, लखनऊ की कमिश्नर सुश्री रोशन जैकब, लखनऊ के जिलाधिकारी डा. सूर्यपाल गंगवार, आई.ए.एस., लखनऊ की पूर्व मेयर सुश्री संयुक्ता भाटिया, भाजपा पदाधिकारी श्री राजीव मिश्रा, श्री विपिन कुमार मिश्रा, आई.ए.एस., एडीशनल सेक्रेटरी, फूड एण्ड सप्लाई, श्री प्रशान्त सिंह अटल, चीफ स्टैण्डिंग काउन्सिल, हाईकोर्ट, न्यायमूर्ति श्री विष्णु सहाय, न्यायमूर्ति श्री राकेश कुमार, पूर्व कार्यवाहक चीफ जस्टिस, श्री राकेश कुमार, ए.डी.एम., प्रोटोकाल, फादर लेनिन चाको, फादर डोनाल्ड डिसूजा, इस्माल धर्मानुयायी श्री फिरंगी महली एवं श्री कल्बे सबरेन समेत अनेक प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, सैन्य अधिकारी, शिक्षाविद, साहित्यकार व समाजसेवी आदि शामिल रहे। इसके अलावा, सभी धर्मों के धर्मगुरू व अनुयायी, राजनीतिक पार्टियों के पदाधिकारियों सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने डा. जगदीश गाँधी को श्रद्धान्जलि अर्पित की। डा. जगदीश गाँधी की स्मृति में आगामी 4 फरवरी, रविवार को अपरान्हः 3 बजे से सी.एम.एस. गोमती नगर द्वितीय कैम्पस ऑडिटोरियम में 'स्मृति सभा' का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर डा. जगदीश गाँधी के प्रेरक व्यक्तिव व कृतित्व को याद किया जायेगा।

सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर द्वितीय कैम्पस ऑडिटोरियम में सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव।

सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर द्वितीय कैम्पस ऑडिटोरियम में सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रदेश के मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र, आई.ए.एस.।

सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर द्वितीय कैम्पस ऑडिटोरियम में सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उप–मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक।

सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर द्वितीय कैम्पस ऑडिटोरियम में सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लखनऊ के जिलाधिकारी, डा. सूर्यपाल गंगवार, आई.ए.एस.।

मतदाताओं में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से वाकथान एवं पतंगबाजी प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने वाकथान एवं पतंगबाजी प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

संवाददाता।

लखनऊ। आगामी लोकसभा चुनाव के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से चौदहवें राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के मार्गदर्शन में जिला निर्वाचन अधिकारीध्जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार के निर्देशन में मतदाताओं में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से रूमी गेट से चौक स्टेडियम तक वॉकथॉन एवं चौक स्टेडियम में पतंगबाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडलायुक्त डॉ0 रोशन जैकब विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति रहीं। वॉकथान में विभिन्न स्कूलध कालेजों के लगभग 04 हजार छात्र–छात्राओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जिला प्रशासन के साथ मिलकर मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न स्कूलों व कॉलेजों के स्टूडेंट्स शामिल हुए।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना के दिन 25 जनवरी करो पूरे देश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया जाता है, जिसमें विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर मतदाताओं को जागरूक किया जाता है और उन्हें अपने मतदान के महत्व को बताया जाता है कि लोकतंत्र में मतदाना करना उनका संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने छात्र–छात्राओं, युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि 18 साल और 19 साल आयु वर्ग के अभी बहुत सारे छात्र–छात्राएं युवा ऐसे हैं जिनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं आया है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण में लगभग 20 लाख युवा मतदाताओं को शामिल किया गया है। इस आयु वर्ग के अभी भी बहुत से छात्र–छात्राएं, युवा ऐसे हैं जिनका नाम वोटर लिस्ट में अभी भी आ सकता है। सभी पात्र युवा मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में आ जाए और ज्यादा प्रतीक्षा न करना पड़े इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग ने वर्ष में चार आधार तारीख 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई व 01 अक्टूबर निर्धारित की है। अभी भी जो युवा मतदाता 18 वर्ष के होने वाले हैं उनका नाम निर्वाचन के लास्ट डे आफ नॉमिनेशन तक जुड़ सकता है। मतदाता बनने के लिए निर्वाचन आयोग की वेबसाइट अवजमतेण्मबपण्दपबण्पद पर फॉर्म 6 ऑनलाइन भरा जा सकता है। इसके अलावा वोटर हेल्पलाइन ऐप एंड्रॉयड और एप्पल दोनों पर उपलब्ध है इसके माध्यम से भी फार्म भर सकते हैं। उन्होंने छात्र–छात्राओं, युवाओं का आह्वान किया और जोश दिलाते हुए कहा सभी लोग साथ मिलकर कार्य करें तो अभी भी शतप्रतिशत युवाओं का नाम वोटर लिस्ट में आ सकता है। उन्होंने आज के इस कार्यक्रम के अवसर पर सभी को बधाई दी और जिला प्रशासन को भी इस भव्य कार्यक्रम के आयोजन पर बधाई दी।

'इस अवसर पर कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि मंडलायुक्त डॉ0 रोशन जैकब ने कहा कि हमें अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा मतदान का अधिकार लोकतंत्र की नींव को मजबूत करता है, लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रत्येक मतदाता का सही से वोटर लिस्ट में नाम शामिल हो। साथ ही जिस दिन मतदान हो, सब लोग अपने घरों से निकलकर अपने मत का प्रयोग करेंगे और अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करेंगे। मंडलायुक्त ने कहा कि लखनऊ, कानपुर जैसे जो बड़े शहरो में जहां का मतदान का ट्रेंड बहुत ही काम रहता है और मतदान प्रतिशत लगभग 60 प्रतिशत अधिकतम रहता है, इस ट्रेंड को इस बार हमे पलटना होगा। हम सबको लोकतंत्र के महापर्व में बढ़–चढ़कर अपनी हिस्सेदारी रखते हुए यह साबित करना होगा कि राजधानी लखनऊ मतदान प्रतिशत में लीड करें और बाकी जनपदों के लिए उदाहरण बने। उन्होंने सभी का आह्वान किया कि आप बच्चों जो 18 साल के ऊपर के हैं सबकी जिम्मेदारी है कि अपना नाम एक बार वोटर लिस्ट में जरूर देख ले, चुनाव के पहले अपने वोटर लिस्ट को जान ले, पहचान ले, जिससे कि आप जाकर अपना वोट डाल पाए। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारीध्जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने उपस्थित लोगों का अभिनंदन करते हुए कहा कि कॉलेज एवं विद्यालयों से आए हुए बच्चों के उत्साह को देखकर मुझे यह यकीन हो गया है कि लखनऊ में इस बार 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस बहुत ही उत्साह के साथ मनाया जाने वाला है। आज के आयोजन का मुख्य उद्देश्य है कि लखनऊ के सभी मतदाताओं से हम यह अपील करें, समाज में यह जागरूकता फैलाने की कोशिश करें कि हमारे लोकतंत्र में मतदाताओं का बहुत बड़ा योगदान है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाताओं के द्वारा मतदान करना सभी मतदाताओं का अधिकार भी है और यह कर्तव्य भी है। हम मतदाताओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए जो भी हमारी प्रशासनिक व्यवस्थाएं हो सकती है, वह सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने प्रत्येक युवा से यह अपील की कि अपने आस पड़ोस के सभी मतदाताओं को इस बारे में जागरूक करें। जिस दिन लखनऊ में चुनाव होगा, हर एक मतदाता घर से निकलेगा और वोट करेगा। उन्होंने कहा कि पिछली बार के निर्वाचन में यहां केवल 60 प्रतिशत वोटिंग हुई थी, इसका मतलब है कि 40 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया। लखनऊ में ज्यादा से ज्यादा वोटिंग हो उसके लिए यह भी जरूरी है कि सब लोगों का वोटर लिस्ट में नाम हो। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के दिन हम सभी संकल्प लेंगे कि भारत के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए हम अपने मत के अधिकार व कर्तव्य का प्रयोग जरूर करेंगे।'

इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा ने उपस्थित सभी लोगों को मतदाता शपथ दिलाई कि 'हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म वर्ग जाति समुदाय भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे'।

कूट रचित दस्तावेज लगाकर बैंक से करोड़ों रुपये का गबन करने वाले को एसटीएफ ने दबोचा

एसटीएफ को काफी दिनों से मिल रही थी फर्जीवाड़ा करने की सूचना

अभियुक्त के खिलाफ गोरखपुर में दर्ज हैं दो मुकदमा

खाली प्लाट को बन्धक रखकर बैंक से 2 करोड़ 45 लाख रुपये का लिया गृह ऋण

किस्त जमा न होने पर बैंक वाले जांच को पहुंचे तो नहीं मिला प्लाट

लोन कराने वाले की पहचान रुद्रांश पाण्डेय के रूप में पड़ोसियों ने की

संवाददाता।

लखनऊ । एसटीएफ यूपी को कूट रचित दस्तावेज लगाकर बैंक से करोड़ों रुपये गबन करने के सम्बन्ध में थाना शाहपुर, जनपद गोरखपुर में पंजीकृत मुकदमा में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त का नाम रुद्रांश पाण्डेय पुत्र राजेश कुमार निवासी फ्लैट संख्या 404, ग्रीन वैली नकहा नंबर एक राप्ती नगर, थाना शाहपुर, गोरखपुर है। एसटीएफ ने इसके कब्जे से एक टोयोटा फारच्यूनर, एक लैपटाप, नौ आधार कार्ड,दस पैन कोर्ड, छह एटीएफ कार्ड, 25 चेक बुक, दो पास बुक, नौ सील मुहर, आठ मोबाइल, चार पेन ड्राइव, एक लैपटाप चार्जर, एक माऊस, एक ड्राइविंग लाइसेंस, एक न्यायालय प्रपत्र व अन्य कूट रचित दस्तावेज बरामद किया है। एसटीएफ को सूचना प्राप्त हो रही थी की फर्जी,कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर लोन कराकर लोन को जमा नहीं किया जा रहा है तथा उसे एनपीए खाते में डाल दिया जा रहा है। इस सम्बन्ध में थाना शाहपुर जनपद गोरखपुर दो मुकदमा दर्ज कराया गया था। अभिसूचना संकलन एवं कार्रवाई के लिए एसटीएफ फील्ड इकाई गोरखपुर को निर्देशित किया गया। जिसके क्रम में पुलिस उपाधीक्षक धर्मेश कुमार शाही के पर्यवेक्षण में सत्य प्रकाश सिंह, निरीक्षक, एसटीएफ फील्ड इकाई, गोरखपुर टीम द्वारा अभिसूचना संकलन की कार्रवाई प्रारम्भ की गयी। अभिसूचना संकलन के दौरान मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि उक्त दोनों मुकदमे का मुख्य व वांछित अभियुक्त स्पोर्टस कालेज होते हुए लखनऊ भागने की फिराक मे है। इस सूचना से दोनों उपरोक्त मुकदमें के विवेचक को अवगत कराया गया। 22 जनवरी को रात साढ़े नौ बजे स्पोर्ट कालेज चौराहे के पास से पकड़ लिया गया, जिससे उपरोक्त बरामदगी हुई। बरामद पैन कार्डों में से रूद्रांश के नाम के अलग–अलग पिता के नाम व जन्मतिथि के फर्जी , कूटरचित पैन कार्ड थे तथा बरामद आधार कार्डों में से रूद्रांश के नाम के अलग–अलग पिता के नाम व अलग–अलग आधार नम्बर के फर्जी व कूटरचित आधार कार्ड थे।

आवेदक व वादी मुकदमा आशुतोष कुमार मिश्रा (रिजनल हेड आईसीआईसीआई बैंक) निवासी मेडिकल रोड, थाना शाहपुर, जनपद गोरखपुर द्वारा रियाज, शरुफ, रुद्रांश पाण्डेय, अर्चना पाण्डेय व अन्य लोगों के विरुद्ध धोखाधड़ी के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर प्रार्थना पत्र दिया गया कि रियाज नाम के व्यक्ति (उधार कर्ता) व शरुफ सह उधारकर्ता निवासी गणेशपुरम नकहा नंबर–एक गोरखपुर द्वारा अगस्त में बालाजीपुरम राप्तीनगर में निर्मित मकान व बालाजीपुरम राप्तीनगर में 3355 वर्गफिट खाली प्लाट को बन्धक रखकर बैंक से 2 करोड़ 45 लाख रुपया गृह ऋण लिया गया। जिसमें रियाज को मेसर्स रियाज इन्टर प्राइजेज के मालिक एव उसके बेटे शरुफ को उसी फर्म में केयर टेकर के रुप में दिखाया गया। रियाज इन्टरप्राइजेज सरकारी संस्था भारतीय खाद्य निगम को खाद्य अनाज की आपूर्ति का कार्य करती थी। उधारकर्ता द्वारा तीन किस्त का भुगतान कर किस्त देना बन्द कर दिया गया। उपरोक्त लोन की वसूली की कार्रवाई के दौरान उनके द्वारा ऋण लिये गये पते पर जाकर देखा गया तब वहां ताला लगा था तथा मकान पर रमेन्द्र नाथ तिवारी के नाम की नेम प्लेट लगी थी। पड़ोसियों के मकान के सम्बन्ध में पूछा गया तब पड़ोसियों द्वारा पुष्टी की गयी कि रियाज नाम का कोई भी व्यक्ति मकान में नहीं रहता है तथा मकान मालिक द्वारा उक्त मकान को किराये पर दिया गया है। उक्त के सम्बन्ध में आईसीआई बैंक द्वारा जांच के दौरान यह पाया गया कि रियाज के लोन की पैरवी एक अन्य आईसीआईसीआई बैंक के मौजूदा ऋण उधारकर्ता अर्चना पाण्डेय व रुद्रांश पाण्डेय निवासीगण मुरलीजोत, बस्ती द्वारा लोन के लिए पैरवी किया गया था। रियाज के पते पर भौतिक सत्यापन के दौरान एक व्यक्ति की उपस्थिति मौके पर थी, जिसका फोटोग्राफ पड़ोसियों को दिखाया गया तब पड़ोसियों द्वारा उक्त व्यक्ति की पहचान रुद्रांश पाण्डेय उर्फ तोष के रुप में की गयी तथा उक्त सम्पत्ति जिस पर रियाज द्वारा लोन पास कराया गया था वह रुद्रांश पाण्डेय के पिता राजेश पाण्डेय के नाम पर पायी गयी। रियाज के नाम पर खोले गये आईसीआईसीआई बैक के बचत खाता संख्या 031901537941 में बैंक द्वारा लोन की राशि ट्रासफर करने के उपरान्त एक सप्ताह के अन्दर रुद्रांश पाण्डेय की मां अर्चना पाण्डेय के केनरा बैंक के खाता संख्या 110067117507 में समस्त ऋण की रकम स्थानान्तरित कर दिया गया था। ऋण प्राप्त करने के समय उधारकर्ता द्वारा प्रस्तुत किये गये पैन कार्ड आधार कार्ड केनरा बैंक व यूनियन बैंक आईटीआर जीएसटीन उद्यम आधार नंबर व अन्य दस्तावेजो को जांच के दौरान फर्जी व कुचरचित दस्तावेज पाये गये। आवेदक के प्रार्थना पत्र के आधार पर विभिन्न धाराओं में थाना शाहपुर, जनपद गोरखपुर पंजीकृत किया गया। अचार्ना पाण्डेय व रुद्रांश पाण्डेय के द्वारा धोखाधड़ी के आशय से कूटरचित दस्तावेज प्राप्त कर लोन लेने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ कि अर्चना पाण्डेय पत्नी राजेश पाण्डेय एव उनके पुत्र रुद्रांश पाण्डेय द्वारा संयुक्त रुप से ऋण प्राप्त करने के सम्बन्ध में रुद्रांश व अर्चना पाण्डेय के आधार कार्ड व पैन कार्ड बैंक खाता तथा माहाकाल इन्टरप्राइजेज के नाम से कुटरचित दस्तावेज लगाकर दो करोड़ रुपया ऋण लिया गया तथा ऋण की अदायगी न करने के उपरान्त बैंक द्वारा उपरोक्त उधारकर्ता की तलाश किये जाने एवं दस्तावेजों का स्त्यापन कराये जाने के उपरान्त समस्त दस्तावेज कूट रचित व फर्जी पाये गये। जिसके आधार पर थाना स्थानीय पर थाना शाहपुर, जनपद गोरखपुर मुकदमा पंजीकृत किया गया। उपरोक्त दोनों लोन को षडयंत्र के अन्तर्गत अनुमति देने की प्रक्रिया में कितने लोग शामिल हैं उनके सम्बन्ध में विवेचक द्वारा साक्ष्य एकत्र किया जा रहा है। अग्रिम विधिक कार्रवाई विवेचक द्वारा की जा रही है।

तीन दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ

लखनऊ। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा रामोत्सव के बाद अब बुंदेलखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बुंदेलखंड गौरव महोत्सव का आयोजन आज 23 जनवरी से किया जा रहा है। करीब 16 दिनों तक चलने वाले बुंदेलखंड महोत्सव का शुभारम्भ झाँसी में 23 जनवरी को सांस्कृतिक कार्यक्रम व आल्हा–उदल की गाथाओं से किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन सांसद अनुराग शर्मा ने किया। महोत्सव के दौरान 18 फरवरी तक बुन्देलखण्ड के समस्त जनपदों की सांस्कृतिक विविधता एवं विरासत का प्रदर्शन किया जायेगा।यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि बुंदेलखंड गौरव महोत्सव के अंतर्गत पर्यटन विभाग 23 से 25 जनवरी तक झांसी शहर में अलग–अलग स्थानों पर तीन दिनों में हॉट एयर बैलून, योग, सांस्कृतिक कार्यक्रम, ग्रीन फायर क्रैकर्स शो, लेजर शो, वाटर स्पोर्ट्स की गतिविधियां, हेरिटेज वॉक सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि बुन्देलखण्ड वीरों की धरती है। आल्हा–ऊदल एवं महारानी लक्ष्मीबाई के शौर्य एवं पराक्रम की गाथा को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य किया जायेगा।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 24 जनवरी 2024
sheelshukla100@gmail.com

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में सवा लाख दिए जलाए गए एवं श्रीराम वाटिका में किया गया सुंदरकांड पाठ

झांसी। अयोध्या में श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के अवसर पर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में राममय माहौल रहा। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय परिवार ने मिलकर सवा लाख दिए जलाए। इनमें विभिन्न प्रकार की आकृतियां श्रीराम मंदिर, ओम, स्वस्तिक, जय श्री राम, धनुष बाण आदि को दर्शाया गया। पूरे विश्वविद्यालय

प्रांगण की लाइटिंग की भव्यता दिवाली जैसी रही। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर में भी शिक्षकों के परिवारों ने सामूहिक सुंदरकांड एवं अयोध्या में हो रहे कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सामूहिक रूप से देखा। कुलपति प्रोफेसर मुकेश पांडे ने आज श्री राम वाटिका का उद्घाटन किया एवं विश्वविद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों गैर शैक्षणिक कर्मचारी एवं छात्रों को इस अवसर पर शुभकामनाएं दी। विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी श्रीराम जय उद्घोष के साथ परिसर में रैली निकालकर अपना उत्साह दिखाया। इसके पूर्व विश्वविद्यालय में अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सजीव प्रसारण गांधी सभागार में दिखाया गया। जिसमें कुलपति प्रोफेसर मुकेश पांडे, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी वसी मोहम्मद, परीक्षा नियंत्रण राज बहादुर प्रोफेसर डीके भट्ट प्रोफेसर मुन्ना तिवारी, उप कुलसचिव दिनेश प्रजापति, सुनील सेन, कुल सचिव के निजी सचिव अनिल बोहरे, निजी सहायक अतुल खरे, के साथ विश्वविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक एवं छात्र–छात्रा उपस्थित रहे।

प्राण प्रतिष्ठा पर मंदिर में हुआ सुंदरकांड व भंडारे का आयोजन

प्रदीप वर्मा जिला संवाददाता झाँसी । प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर पूरे देश में ही नहीं विदेशों में भी खुशियों का माहौल रहा। जगह–जगह आतिशबाजी की गई, भंडारे का आयोजन किया गया। लोगों को प्रसाद वितरण किया गया।

वही राष्ट्रीय हिन्दू जाग्रति मंच के तत्वावधान में मढीया महादेव मंदिर पर सुंदर कांड पाठ का आयोजन किया गया. उसके उपरान्त 1100 दीप प्रज्वलित कर सभी भक्तजनो को भंडारा का प्रसाद दिया गया.

। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश गुप्ता राजू रक्सा ने बताया कि राम लला कि प्राण प्रतिष्ठा पूरे देश में दीवाली मनाई जा रही है। लोगों में उत्सव का माहौल है। अयोध्या के साथ साथ पूरा देश राममय है।

उन्होंने कहा की 500 वर्षों के बाद आज एक ऐतिहासिक दिन आया है आज छोटे से बड़े सभी के जुबान पर जय श्री राम नाम गूंज रहा है। प्राण प्रतिष्ठा के दिन आज मंदिरों में सुबह से सुंदरकांड, पूजा पाठ व भंडारे का आयोजन किया गया है. इस अवसर पर रा. महासचिव जगदीश बजाज, रा.कोषाध्यक्ष समर्थ त्रिपाठी,रा.महिला अध्यक्ष विनीता शुक्ला ,रा.विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष प्रीति संज्ञा, रा.महिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुसुम कुशवाहा, राष्ट्रीय सचिव दीपक गुप्ता ,रा. महिला महासचिव पल्लवी सहारिया,रा.उपाध्यक्ष सीमा शुक्ला ,मण्डल उपाध्यक्ष रागनी अवस्थी, जिला अध्यक्ष देवेन्द्र श्रीवास्तव, राम श्री गुप्ता,रागनी अवस्थी,दिनेश तिवारी,महेंद्र शर्मा,मयंक मोहन गुप्ता,महेश गुप्ता,चंद्र प्रकाश गुप्ता,अशोक गुप्ता, ऋषि गुप्ता,सुनील पुरोहित,लक्ष्मी अरजरिया,सफलता दुवेदी, दीप्ति पांडे,किरण अग्रवाल,गीता सिंह, प्रीति विरथरे,कीर्ति आर्य,संगीता अग्रवाल,रीता सैन, निशा दुबे,अनुराधा सवरबाल, प्रतीभा शर्मा,मीना पाठक,उषा अवस्थी,पूजा परिहार, सीमा गुप्ता, शालनी कुशवाहा , सीमा चौवे,ज्योति सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

रामलला के दर्शन कर जूना अखाड़े के ४०० संतों ने ली विदाई

विदाई के समय श्रीमहंत हरि गिरि महाराज, श्रीमहंत प्रेम गिरि महाराज व श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज मौजूद रह

अयोध्याः रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए 400 संतों की विदाई मंगलवार 23 जनवरी से शुरू हो गई। श्री राम पौढी नागेश्वरनाथ मार्ग तुलसी घाट स्थित जूना अखाडा के अवधदत्त बिहारी मंदिर ये संतों को विदाई दी गई। अधिकांश संत रामलला के दर्शन कर मंगलवार को रवाना हो गए। जूना अखाड़े के संत 12 जनवरी को ही अयोध्या पहुंच गए थे। श्री पंचदश नाम जूना अखाड़े अंतरराष्ट्रीय संरक्षक

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि महाराज के निर्देशानुसार जूना अखाड़े के अवधदत्त बिहारी मंदिर में 1 जनवरी से भंडारा का आयोजन हो रहा था। साथ ही राम मंदिर आंदोलन में शहीद होने वाले नागा साधु–संतों का तर्पण अनुष्ठान, श्री अखंड रामायण पाठ, श्री रामस्त्रोत मंत्र, श्री विष्णु सहस्रनाम पाठ, हनुमान चालीसा, सुंदरकांड पाठ आदि का आयोजन भी निरंतर हो रहा है। मंगलवार को श्रीमहंत हरि गिरि महाराज, जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमहंत प्रेम गिरि महाराज व श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर, श्री पंच दशनाम जूना अखाडा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता दिल्ली संत महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व हिंदू यूनाइटिड फ्रंट के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने संतों को कढी–पकौडे के साथ विदाई दी। श्रीमहंत हरि गिरि महाराज ने कहा कि अयोध्या के भव्य व दिव्य राम मंदिर में रामलला के विराजमान होने के साथ ही एक नए युग का सूत्रपात हो गया है। अयोध्या का राम मंदिर आध्यात्म, भक्ति व संस्कृति के क्षेत्र में पूरे विश्व का नेतृत्व करेगा। श्रीमहंत प्रेम गिरि महाराज ने कहा कि अयोध्या में रामलला के विराजमान होने से नए भारत का उदय होगा। नए भारत का गौरव पूरे विश्व में फैलेगा और वह पूरे विश्व का नेतृत्व करेगा। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि अयोध्या के भव्य व दिव्य राम मंदिर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से हमारा 500 वर्ष का सपना पूरा हो गया। भगवान राम के विराजमान हो जाने से आज हर सनातनी हिंदू खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। यह ऐसा अदभुत व आलोकि पल है, जिसे कभी भी भुलाया नहीं जा सकेगा। श्रीमहंत नारायण गिरि ने बताया कि अवधदत्त बिहारी मंदिर पर चल रहा भंडारा माघ की पूर्णिमा 24 फरवरी तक जारी रहेगा।

सड़क सुरक्षा अभियान में मानव श्रृंखला बना कर दिलाई शपथ

उपजिलाधिकारी ने छात्र छात्राओं को शपथ दिलाकर किया जागरुक

झांसी! टहरौली आज कस्बा टहरौली में उपजिलाधिकारी टहरौली अबुल कलाम एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी टहरौली अजय कुमार एवं थाना प्रभारी दिनेश कुमार एवं प्रधानाचार्य सुनील कुमार शर्मा के साथ सड़क सुरक्षा अभियान के तहत मानव श्रृंखला बना कर स्कूली छात्र छात्राओं को नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जन्म जयंती पर शपथ दिलाकर हमेशा सड़क पर सुरक्षित यात्रा हेतु शपथ दिला कर उपजिलाधिकारी टहरौली अबुल कलाम ने कहा की वाहन चलाते समय हमें सावधानियां बरतनी हैं जिसमें शराब पीकर मोबाइल का प्रयोग नहीं करना है एवं हमेशा हेलमेट लगाकर ही यात्रा करनी है चार पहिया गाड़ी वाले सीटबेल्ट लगा कर तेज रफ्तार में वाहन नहीं चलाएं कस्बे में पूरी यात्रा के दौरान राह चलते हुए नागरिकों को भी जागरूक कर सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में बता कर जागरूक किया गया है

यातायात की ड्यूटी लगाने के नाम पर मेजर कर रहे खेल

-सेवा चाकरी करने वालो पर मेहरबान रहते है मेजर साहब

(मथुरा)(ए.के.शर्मा)

यातायात की ड्यूटी लगाने के नाम पर जमकर घोलमल किया जा रहा है।मेजर शिवराज सिंह यादव अपनी मनमर्जी के मालिक है।जिसे चाहे उसे महीनों तक एक ही पॉइंट पर ड्यूटी लगा दें।विभाग में चर्चा है कि कमाई वाले स्थानों पर ड्यूटी जब लगाई जाती है तब मेजर की जेब गर्म कर दी जाती है।जेब गर्म नही करने वालो की ड्यूटी ऐसी जगह लगाई जाती है जिससे वह थक हारकर मेजर की शरण लेने को मजबूर हो सके।चर्चा यह भी है कि ड्यूटी लगाने के नाम पर मिलने वाला सुविधा शुल्क उच्च अधिकारियों को भी पहुँचाया जाता है जिससे विभाग में अंदर खाने काफी रोष भी पनप रहा है।यह आक्रोश कभी रॉड पर भी आ सकता है।कई होमगार्डों ने अपना नाम नही छापने की शर्त पर बताया कि मेजर के तमाम होमगार्ड और पीआरडी जवान चहेते है जो उनको चुपके से सुविधा शुल्क दे आते है उन्ही की ड्यूटी मलाईदार स्थानों पर लगाई जाती है।

सुविधा शुल्क देने से इनकार करने वालो को इधर उधर भटकाया जाता रहता है।यही हाल हैड कांस्टेबल और कास्टेबलो की ड्यूटी का है।जब इस बारे में एक मीडिया कर्मी ने ट्रैफिक के मेजर शिवराज सिंह यादव से दूरभाष पर चौराहों पर यातायात द्वारा लगाई जाने वाली ड्यूटी की जानकारी चाही तो वे भड़के–भड़के से नजर आए और जानकारी देने से कतराते रहे।

केंद्रीय विद्यालय मे परीक्षा पे चर्चा अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

झांसी! परीक्षा का आयोजन परीक्षार्थियों में उत्साह के संचार हेतु होना चाहिए, परीक्षार्थियों को कभी भी परीक्षा से डरना नहीं चाहिए डॉ सुश्री सोनू राय कुछ इन्ही भावनाओं एवं देश के यशश्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों के भारत के निर्माण जिसमें परीक्षार्थी परीक्षा को उत्सव के रूप में लें न कि

बोझ के रूप में, के साथ आज दिनांक 23.01.2024 को पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय दतिया में परीक्षा पे चर्चा 7.0, 2024 के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं नेता जी सुभाष चंद्र बोस की 127 वीं जयंती पराक्रम दिवस के रूप में मनाई गई।

प्रतियोगिता में दतिया जिले के शासकीय एवं गैर शासकीय विद्यालयों से चयनित 100 छात्र – छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य परीक्षार्थियों के मन से परीक्षा का भय निकाल कर उसकी जगह उत्साह का संचार करना रहा।

आयोजन में मुख्य अतिथि श्री रूपेश उपाध्याय अपर कलेक्टर, दतिया एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सुश्री सोनू राय प्राचार्य पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय दतिया के द्वारा की गई।

चित्रकला प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के थ्पदम ।तजे विभाग से डॉ. अजय कुमार गुप्ता, डॉ. अंकिता शर्मा, एवं डॉ. संतोष कुमार उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल के अनुसार प्रथम स्थान कु. साक्षी राजपूत, कक्षा – नौवीं पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय, दतिया, द्वितीय स्थान कु. मानिया अली खान कक्षा – ग्यारहवीं भारतीय विद्या पीठ, दतिया, तृतीय स्थान कु. नीतिका कुशवाह कक्षा – ग्यारहवीं जवाहर नवोदय विद्यालय, बीकर को प्राप्त हुआ,चतुर्थ स्थान श्वेता सोनी रानी लक्ष्मीबाई पब्लिक स्कूल दतिया एवं पांचवा स्थान विधि गुप्ता केंद्रीय विद्यालय डबरा को प्राप्त हुआ कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन श्री हिमांशु शर्मा एवं सुश्री कोमल के द्वारा किया गया

उ प्र उद्योग व्यापार मंडल द्वारा इलाइट चौराहे पर आतिशबाजी और प्रसाद वितरण

झांसी ! अयोध्या में भव्य एवं दिव्य मंदिर में श्री राम लाल जी के प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल झांसी द्वारा जनपद के ह्रदय स्थल इलाइट चौराहे पर जिला

अध्यक्ष श्री उमेश गुप्ता जी के नेतृत्व में एवं संगठन के प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व महापौर श्री रामतीर्थ सिंघल जी एवं युवा प्रांतीय अध्यक्ष श्री जीतू सोनी जी की गरिमापूर्ण उपस्थिति में एक भव्य आयोजित किया गया उक्त कार्यक्रम का संचालन महानगर अध्यक्ष श्री बृज बिहारी सोनी जी के द्वारा किया गया

. भव्य राम मंदिर में रामलला के दर्शन को उमडा भक्तो का सैलाब व हवाई निरीक्षण करते सीएम योगी

प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामलला के दर्शन को उमड़ा भक्तों का सैलाब

संवाददाता।

अयोध्या । श्रीराम जन्मभूमि पर नवनिर्मित भव्य राम मंदिर में रामलला के नवीन विग्रह की प्राण–प्रतिष्ठा के बाद मंगलवार को दर्शन के लिए भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। जिला प्रशासन को इतनी अधिक भीड़ जुटने का अनुमान नहीं था। आनन–फानन में वैकल्पिक इंतजाम प्रभावी किए गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के पहले से ही देशभर से दर्शन के लिए रामभक्त अयोध्या पहुंचने लगे थे। इनमें से बड़ी संख्या में लोगों ने यहीं पर अपने गुरु आश्रमों, मंदिर, होटल, धर्मशाला, रामकथा पार्क, सरयू घाट और अन्य स्थानों पर डेरा डाल रखा था। इनमें वो श्रद्धालु भी शामिल रहे जिन्हें 20 से 22 जनवरी तक तीन दिन अस्थाई मंदिर में रोक के चलते रामलला के दर्शन नहीं मिल सके थे। इसके अलावा तमाम भक्त पड़ोसी जिलों में अपना आश्रय बनाए थे। सोमवार को पीएम के यहां से लौटने के बाद शाम से रात तक और फिर मंगलवार की सुबह उन्होंने अयोध्या का रूख किया। कई जत्थे वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ, अंबेडकर नगर, बाराबंकी, बस्ती व गोंडा के रास्तों से आए। ऐसे में रामनगरी में श्रद्धालुओं का कारवां अनवरत बढ़ता ही गया। प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह चौथा अवसर होगा जब देश के विभिन्न हिस्सों से इतनी बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचे हैं। पहले से जो अनुमान लगाया गया था उससे भी अधिक श्रद्धालु यहां पहुंच गए हैं। यह सिलसिला लगातार जारी है। पड़ोसी जनपदों के साथ अयोध्या धाम की सीमाओं पर वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी लगाए जाने के बावजूद लोग पैदल ही आ रहे हैं। डीएम नितीश कुमार ने बताया कि भीड़ काफी आ गई है। पहले से भी लोग मौजूद थे। सभी को सुव्यवस्थित ढंग से दर्शन कराने के प्रबंध किए जा रहे हैं। वहीं अयोध्या पुलिस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में सोशल मीडिया पर फैल रही उन अफवाहों का खंडन किया है कि भारी भीड़ के कारण मंदिर को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ने यहां पहुंचकर अयोध्या का हवाई सर्वे किया और व्यवस्था का जायजा लिया। मंदिर में प्रवेश को लेकर भारी तादात में मौजूद श्रद्धालुओं को सीएम योगी ने देखा और आला अधिकारियों को इस बाबत निर्देश जारी किए। सीएम योगी ने इस दौरान दर्शन व्यवस्थाओं का जाएजा लिया। राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने मंगलवार की शाम लाखों भक्तों से अपील की है कि वो धैर्य और शांति बनाए रखें, रामलला के दर्शन सबको मिलेंगे। उन्होंने कहा कि भक्तों का सैलाब देखते हुए रामलला ने आज विश्राम भी नहीं किया है। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अगले दिन आस–पास के जिलों और दूसरे राज्यों से आए पांच लाख से ज्यादा भक्त दर्शन के लिए जुटे हैं। सरकार के सीनियर अफसर के मुताबिक अब तक तीन लाख लोग दर्शन कर चुके हैं और इतने ही लोग बाहर कतार में हैं जिनके लिए समुचित इंतजाम किए गए हैं। मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने सुबह ही कह दिया था कि इतने भक्त आए हैं कि आज सबको दर्शन नहीं मिल पाएगा। राम मंदिर मार्ग पर भक्तों की कई किलोमीटर लंबी कतार है। प्रशासन की व्यवस्था कई बार भीड़ के दबाव में टूट गई। भीड़ को संभालने के लिए पुलिस ने लाठियां भी लहराई। अयोध्या जिला प्रशासन के लिए लाखों भक्तों को संभालने का यह पहला अनुभव है जिसमें हर बीतते दिन के साथ हासिल अनुभव के आधार पर बेहतरी की संभावना है। अयोध्या प्रशासन के आग्रह पर भक्तों की आ रही भीड़ को फिलहाल रोकने के लिए लखनऊ से 80 बसों का संचालन बंद कर दिया गया है। गोरखपुर से आ रही या जा रही बसों के लिए दूसरे रास्ते तय किए गए हैं।

श्रीराम मंदिर दर्शन यात्रा को लेकर बनाई जा रही टेंट सिटी

-भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने किया निरीक्षण

संवाददाता।

अयोध्या। श्री राममंदिर दर्शन यात्रा को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने आवास हेतु बनाई जा रही टेंट सिटी का निरीक्षण किया। निरीक्षण में उनके साथ प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला, प्रदेश उपाध्यक्ष मानवेंद्र सिंह, भाजयुमो प्रदेश महामंत्री हर्षवर्धन सिंह, मीडिया प्रभारी दिवाकर सिंह, सुनील तिवारी शास्त्री रहे। उन्होनें टेंट, जल व्यवस्था, शौचालय, प्रसाधन की व्यवस्थाओं को देखा व आवश्यक निर्देश संबंधित को दिया। इस दौरान राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान है। देश–विदेश से आने वाले राम भक्तों को यहां आने के बाद किसी प्रकार की असुविधा न हो। उसके आवास के साथ टेंट सिटी में भोजन, अल्पाहार, मेडिकल व्यवस्था, अलाव व्यवस्था, शौचालय सहित सभी व्यवस्थाएं की गई है। प्रयास है कि अयोध्या से रामभक्त आधयत्मिकता के साथ यहां के आतिथ्य भाव की स्मृति भी आपने साथ लेकर जाए। आवास व्यवस्था को लेकर टेंट सिटी में 6 नगर बसाए गए है। जिसमें वाल्मीकि विशिष्ट की आवास क्षमता 500 है। इसके अतिरिक्त अंजनेरी, चित्रकूट, मिथिला, पंचवटी, प्रयाग नगर बसाए गए है। जिनमें प्रत्येक की क्षमता 4 हजार आवास की है। इसके अतिरिक्त नगर निगम द्वारा बनाए जा रहे टेंट सिटी हनुमान गुफा के पास पंचवटी नगर बसाया गया है। जिसकी क्षमता 2500 आवास की है। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री बीएल संतोष ने सहादतगंज कार्यालय पर श्री राम दर्शन यात्रा के व्यवस्था प्रमुखों के साथ बैठक की। बैठक में व्यवस्था प्रमुख से एक–एक कर व्यवस्थाओं के संबंध में की जा रही तैयारियों की जानकारी ली। सभी को रामभक्तों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए निर्देश दिए। बैठक में आवास व्यवस्था से प्रमुख अभिषेक मिश्र को आगंतुको की रहने, ठंड से बचाव के लिए समुचित इंजतजाम, शौचालय व अन्य मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। रेलवे स्टेशन पर अल्पाहार व स्वागत की समुचित व्यवस्था करने को कहा। भोजन व्यवस्था प्रमुख मिथिलेश त्रिपाठी को भोजन तथा अल्पाहार के कैम्प के स्थलों के चयन व सामाग्री की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देने को कहा। राष्ट्रीय महामंत्री अयोध्या आने वाले सभी राम भक्तों का हमें विनयपूर्वक स्वागत करना है। उसकी सुख सुविधाओं का ध्यान रखना है। हम सभी का यह प्रयास होना चाहिए कि आने वाले राम भक्त सुगमता से मंदिर में दर्शन कर पाएं। इसके लिए प्रसाशन तथा ट्रस्ट से लगातार समन्वय बनाए रखना है। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह, प्रदेश महामंत्री राम प्रताप सिंह, सांसद लल्लू सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, महानगर प्रभारी विजय प्रताप सिंह महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, जिपंअ प्रतिनिधि आलोक कुमार सिंह रोहित, अवधेश पाण्डेय बादल, शैलेन्द्र कोरी सहित अन्य व्यवस्थाओं के प्रमुख मौजूद रहे।

डीएम ने 15 मजिस्ट्रेटों की लगाई ड्यूटी

संवाददाता।

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के पश्चात श्रद्वालुओं का लगातार आवागमन हो रहा है, जिसमें अयोध्या धाम क्षेत्र में काफी भीड़ हो रही है। श्रद्वालुओं के दर्शन व आवागमन की सुविधा व शांति, सुरक्षा, यातायात व लोक व्यवस्था के दृष्टिगत मजिस्ट्रेट ड्युटी तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेश तक लगायी जाती है, जिसमें श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर के अंदर की सम्पूर्ण व्यवस्था हेतु जितेन्द्र कुमार कुशवाहा अपर जिला मजिस्ट्रेट, मंदिर परिसर के अंदर दर्शन का मुख्य द्वार व आस–पास का क्षेत्र की संदीप श्रीवास्तव आर0एम0 व यामिनी रंजन पी0ओ0 डूडा, बिड़ला धर्मशाला तिराहा हेतु अशोक कुमार सैनी डिप्टी कलेक्टर व के0एन0 सुधीर उप प्रभागीय वनाधिकारी की ड्युटी लगायी है। इसी क्रम में बिड़ला धर्मशाला से दर्शन का मुख्य प्रवेश द्वार पर अभिषेक कुमार सिंह डिप्टी कलेक्टव व डा0 जगदीश सिंह मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, बिड़ला धर्मशाला से लता मंगेशकर चौक तक प्रवीण कुमार डिप्टी कलेक्टर व अजित प्रताप सिंह जिला खाद्य विपणन अधिकारी, श्रृंगार हाट तिराहा पर श्री अरविन्द कुमार डिप्टी कलेक्टर व श्री ब्रजेश कुमार मिश्र जिला पूर्ति अधिकारी, लता मंगेशकर चौक से धर्मपथ पर अंशुमान सिंह डिप्टी कलेक्टर व अमरेश पांडेय जी0एम0डीआईसी तथा उदया चौराहा से बिड़ला तिराहा व आसपास के क्षेत्र हेतु राम प्रसाद त्रिपाठी डिप्टी कलेक्टर व मोहित कुमार उप मुख्य परियोजना प्रबन्धक सेतु निगम की ड्युटी लगायी है।

श्रीराम जन्म भूमि मंदिर अयोध्या पर आधारित स्थाई विरूपण व चित्रात्मक पोस्टकार्ड जारी

संवाददाता।

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि मंदिर में श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सचिव डाक, भारत सरकार विनीत पांडेय द्वारा अयोध्या प्रधान डाकघर के एक विशेष कार्यक्रम में श्री राम जन्म भूमि मन्दिर पर आधारित स्थाई विरूपण व छह चित्रात्मक पोस्टकार्ड जारी किए। गौरतलब है कि पिछले दिनों श्रीराम जन्म भूमि मंदिर को समर्पित प्रधानमन्त्री के द्वारा स्मारक डाक टिकट जारी किए गए थे। इस अवसर पर सचिव ने कहा कि अब अयोध्या डाकघर से देश विदेश आने–जाने वाली डाक पर श्री राम जन्म भूमि मन्दिर की छाप देखने को मिलेगी स सूच्य है कि डाक टिकटों के माध्यम से ऐतिहासिक महत्व के घटनाक्रमों, विचारों, व्यक्तित्वों, इमारतों आदि को सृजनात्मकता के साथ संरक्षित किया जाता है। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि इन डाक टिकटों में राम मंदिर का भव्य चित्र है, कलात्मक अभिव्यक्ति के जरिए रामभक्ति की भावना है और 'मंगल भवन अमंगल हारी', जैसी लोकप्रिय चौपाई के माध्यम से राष्ट्र के मंगल की कामना है । इनमें सूर्यवंश के प्रतीक सूर्य की छवि है, जो देश में नए प्रकाश का संदेश देता है। इनमें पुण्य नदी सरयू का चित्र भी है, जो राम के आशीर्वाद से देश को सदैव गतिमान रहने का संकेत करती है । मंदिर के आंतरिक वास्तु के सौंदर्य को बड़ी ही बारीकी से इन डाक टिकटों पर दर्शाया गया है । इसमें पंच तत्वों का दर्शन निहित है जिसे तैयार करने में डाक विभाग को राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के साथ–साथ संतों का भी मार्गदर्शन मिला है । सचिव ने आगे कहा कि फिलेटली की दुनिया इस राम मन्दिर आधारित स्मारक डाक टिकट से और अधिक समृद्ध होगी और फिलेटली के प्रति लोगों का रुझान और बढ़ेगा। उन्होंने अयोध्या प्रधान डाकघर में फिलेटली म्यूजियम बनाने का भी सुझाव दिया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश डाक परिमंडल के चीफ पोस्ट मास्टर बा सेल्वकुमार, मुख्यालय परिक्षेत्र के पोस्ट मास्टर जनरल विवेक कुमार दक्ष, निदेशक डाक सेवाएं आनंद कुमार सिंह, अधीक्षक डाकघर एच के यादव मुख्य विपणन अधिकारी सत्येन्द्र प्रताप सिंह आदि समेत डाक विभाग के तमाम अधिकारी उपस्थिति रहे ।

संपादकीय

जो जमीनी हालात हैं

मीडिया हेडलाइन्स से भारत की खुशनुमा तस्वीर उकेरने की कोशिश अक्सर होती रहती है। लेकिन जो जमीनी हालात हैं, वे इससे नहीं बदल सकते। विडंबना है कि इन हालात को बदलने की कोशिश के बजाय विकसित भारत का खोखला सपना दिखाया जा रहा है। अभी हाल में 2023–24 के अनुमानित सरकारी आर्थिक आंकड़े जारी हुए, तो उनसे पता चला कि इस वित्त वर्ष में (दो अपवाद वर्षों को छोड़ कर) भारत की प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि 21 वर्ष के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। इस वर्ष यह वृद्धि दर 7.9 प्रतिशत रही। बीते 21 वर्षों में सिर्फ 2019–20 और 2020–21 में ये दर इससे कम रही थी, जब सारी दुनिया कोरोना महामारी की चपेट में थी। एक अंग्रेजी वेबसाइट ने अपने विश्लेषण से बताया है कि चालू वित्त वर्ष में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में भारी गिरावट आई है। अप्रैल से सितंबर तक देश में सिर्फ 10. 1 बिलियन डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया। इसके पहले (इस अवधि में) इतनी कम एफडीआई 2007–08 में आई थी। देश में औसत आम उपभोग का कमजोर बने रहना अब एक स्थायी हेडलाइन है। ताजा खबर यह है कि अक्टूबर–दिसंबर की तिमाही में एफएमसीजी क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलिवर लिमिटेड का मुनाफा अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं बढ़ सका। कंपनी ने इसका कारण ग्रामीण क्षेत्रों में मांग की कमजोर स्थिति को बताया है। ये सारी खबरें अलग–थलग नहीं हैं। बल्कि उस गंभीर आम माली हालत का सूचक हैं, जो लगातार गंभीर हो रही है। दरअसल, जिस देश में कामकाजी उम्र वर्ग की लगभग 50 फीसदी आबादी सवा लाख रुपये से कम वार्षिक आय पर गुजारा करती हो, वहां महंगाई एवं सामाजिक सुरक्षाओं में कटौती का परिणाम इसी रूप में सामने आ सकता है। इस स्थिति का निहितार्थ यह है कि भारत के एक सशक्त बाजार के रूप में उभर सकने की संभावनाएं सीमित बनी हुई हैं। यह अवश्य है कि लगभग छह–सात करोड़ लोगों का एक उपभोक्ता वर्ग हमारे देश में मौजूद है और जो मौजूदा वैश्विक आर्थिक–राजनीति सूरत के बीच बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इसलिए मीडिया हेडलाइन्स से भारत की खुशनुमा तस्वीर उकेरने की कोशिश अक्सर होती रहती है। लेकिन जो जमीनी हालात हैं, वे ऐसे प्रयासों से नहीं बदल सकते। विडंबना यह है कि इन हालात को बदलने की कोशिश के बजाय विकसित भारत का खोखला सपना दिखाया जा रहा है।

कांग्रेस क्या ओवैसी से तालमेल करेगी

तेलंगाना में सरकार बनने के बाद कांग्रेस किसी तरह से राज्य की सभी 15 सीटें जीतने की रणनीति बना रही है और इसी क्रम में कहा जा रहा है कि पुराने सहयोगी असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया एमआईएम के साथ भी कांग्रेस तालमेल कर सकती है। ध्यान रहे एकीकृत आंध्र प्रदेश में कांग्रेस और एमआईएम का साथ रहा है लेकिन 2012 में अकबरूद्दीन ओवैसी की गिरफ्तारी के बाद तालमेल खत्म हो गया और दोनों पार्टियां एक दूसरे पर हमला करने लगीं। कांग्रेस के सर्वोच्च नेता राहुल गांधी भी ओवैसी की पार्टी को भाजपा की बी टीम बता कर उसके ऊपर हमला करते हैं। लेकिन अब तालमेल की संभावना जताई जा रही है।

यह संभावना इसलिए जताई जा रही है क्योंकि शुक्रवार को लंदन में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और ओवैसी के भाई अकबरूद्दीन ओवैसी की मुलाकात हुई। दोनों एक साथ टेम्स नदी का रिवर फ्रंट देखने गए। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने ओवैसी को आमंत्रित किया था ताकि हैदराबाद की मुसी नदी को पुनर्जीवित करने और रिवर फ्रंट डेवलप करने की परियोजना का आइडिया मिले। दोनों के इस सद्भाव को देख कर तालमेल की चर्चा शुरू है गई है। हालांकि मौजूदा समय में कांग्रेस का ओवैसी के साथ तालमेल उसके लिए आत्मघाती हो सकता है। पहले तो एमआईएम के विरोध में कांग्रेस काफी आगे बढ़ चुकी है। अगर वह तालमेल करती है तो भाजपा को मौका मिलेगा यह कहने का ओवैसी कभी भाजपा की बी टीम नहीं थे, बल्कि कांग्रेस की बी टीम हैं। ध्यान रहे पिछली बार तेलंगाना में कांग्रेस ने तीन और ओवैसी ने एक सीट जीती थी, जबकि भाजपा को चार सीटें मिली थीं। अगर कांग्रेस और ओवैसी साथ आते हैं तो ज्यादा ध रुवीकरण होगा और भाजपा की सीटें बढ़ सकती हैं।

सनातनी परंपरा और प्राण प्रतिष्ठा

तथ्य है राम मंदिर निर्माण के लिए अदालत से जो आदेश मिला उसमें द्वारिका पीठ के वर्तमान शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। पर विडंबना देखिए कि सड़क छाप लोग श्रद्धेय शंकराचार्यों से पूछ रहे हैं कि उन्होंने राम मंदिर निर्माण के लिए क्या किया? ज्सनातन परम्परा का निर्वाह करते हुए अपनी आलोचना को उदारता से स्वीकार करना चाहिए।

हर राष्ट्र के इतिहास में कोई पल ऐसा आता है जो मील का पत्थर बन जाता है। आज पूरी दुनिया के सनातन धर्मी हिंदुओं के जीवन में वो क्षण आया है जब जन–जन के आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की जन्मस्थली व राजधानी अयोध्या पूरे वैभव के साथ विश्व के मानचित्र पर सदियों बाद पुनरू प्रगट हुई है। इसलिए देश और विदेश में रहने वाले हिंदुओं के मन उल्लास से भरे हैं।यह सही है कि श्रीराम जन्मभूमि पर से बाबरी मस्जिद को हटाने में सदियों से हजारों लोगों ने बलिदान दिया और सैंकड़ों ने इस आंदोलन में अपनी क्षमता अनुसार महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पर पूरे अयोध्या नगर को जो भव्य रूप आज मिला है वो प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की कल्पनाशीलता और दृढ़ इच्छा शक्ति का परिणाम है। इसलिए नरेंद्र मोदी की आलोचना करने वालों की बात का भाजपा समर्थक हिंदू समाज पर वैसा असर नहीं पड़ रहा जैसी उनकी अपेक्षा रही होगी। इसका अर्थ यह नहीं कि जिन मुद्दों को विपक्ष के नेता उठा रहे हैं वे कम महत्वपूर्ण हैं। निरूसंदेह देश के युवाओं के लिए बेरोजगारी विकराल रूप धारण करके खड़ी हुई है। दस बरस पहले मोदी जी ने हर वर्ष दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वायदा किया था। यानी अब तक बीस करोड़ युवाओं को रोजगार मिल जाना चाहिए था। जबकि आज भारत में बेरोजगारी की दर पिछले 45 वर्षों में सबसे ज्यादा है। ऐसे ही अन्य मुद्दे भी हैं जिनको लेकर विपक्ष मोदी सरकार पर हमलावर है। विपक्ष का यह भी आरोप है कि मंदिर निर्माण पूरा हुए बिना ही इतना भव्य उद्घाटन करने का उद्देश्य केवल 2024 का लोकसभा चुनाव जीतना है। इसलिए विपक्ष के नेता इसे राजनैतिक कार्यक्रम मान रहे हैं और इसलिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के न्योते पर 22 तारीखघ को अयोध्या नहीं गये। उनका कहना है कि भगवान श्री राम के दर्शन करने वे अपनी श्रद्धा अनुसार भविष्य में अवश्य जाएँगे।विपक्ष का यह आरोप सही है कि आज का कार्यक्रम लोकसभा के चुनाव की दृष्टि से आयोजित किया गया है।

भारतीय संविधान शिरोधार्य हो रामत्व

समरसता रामत्व का मूल है। श्रीराम की निषादराज से मित्रता, माता शबरी के झूठे बेरों को खाना, जटायु को उसके अंतिम समय में स्नेह देना, सुग्रीव से मित्रता, हनुमान को गले लगाना आदि आदि जैसी घटनाएं उनकी कथनी व करनी में व्याप्त समरसता का ही द्योतक थी। रामराज्य एक सनातनी शासन पद्धति है, इस तथ्य को गर्वपूर्वक स्वीकारना चाहिये। जब हेग कन्वेंशन में, युद्ध नियम हमारे सनातनी शास्त्रों से ग्रहण किए जा सकते हैं तो फिर रामराज्य को सनातनी मानने में संकोच क्यों?! यह सर्वसमावेशी, सर्वव्यापी, सर्वस्पर्शी शासन पद्धति है। (उपशीर्षक) भारतीय समाज में व भारतीय संविधान में "श्रीराम" का केवल नाम ही नहीं होना चाहिये है। भारतीय संविधान व समाज में श्रीराम एक अवधारणा, एक संस्थान, एक स्थापना, एक ऊर्जा स्रोत, एक प्रेरक तत्त्व, एक आधारभूत तत्व के रूप में स्थापित होना चाहिये। क्योंकि रामत्व ही तो कलियुग का आधार है। जब "कलयुग केवल नाम अधारा, सिमर–सिमर नर उतरहिं पारा" तो फिर हमारा संविधान व समाज भला किस प्रकार रामत्व से वंचित रह सकता है? और यह क्यों रामत्व से वंचित रहे? और, यदि यह रामत्व से दूरी बनाकर भी रखना चाहे तो भी कितने समय दूरी बनाकर रह सकते हैं?! अंततोगत्वा तो भारतीय समाज व संविधान को राममय होना ही है। यही नियति है। यही लक्ष्य भी होना चाहिये। हमें हमारे समस्त संवैधानिक, सामाजिक, शैक्षणिक, धार्मिक, पारिवारिक संस्थानों को रामत्व की स्थापना व आधार देना ही होगा। अपनी अपने पूजा स्थल में, पूजा पद्धति में राम को सम्मिलित करने की बात नहीं की जा रही है। जीवन पद्धति में श्रीराम को लाने विषयक है यह। यही सटीक व समीचीन तथ्य है आज एक युग का। कलियुग के हम लोग तनिक अधिक ही स्वार्थी व तनिक अधिक ही स्वयंस्थ हैं, इसलिए राम नाम को हम "इजतंबज म्दजपजल" के रूप में सदैव ही मानते हुए आगे बढ़ते रहते हैं। यह स्वाभाविक भी है। कलियुग के हम भारतीयय स्वयं में, समाज में, संविधान में, रामत्व को अर्थात् राम के अंतर्तत्व को विराजित करते रहे हैं, कर पाते हैं, कर रहे हैंय तब ही तो हमारे कालखंड में हम श्रीराम जन्मभूमि का भव्य निर्माण, उसका लोकार्पण अपने नयनों से साक्षात देख पा रहे हैं। रामत्व ने ही हमें सक्षम बनाया कि हम आठ सौ वर्षों के पीढ़ियों के संघर्ष के पश्चात अपने संघर्ष को सफल होते हुए देख पा रहे हैं! हम सफल हुए हैं क्योंकि हमारा समाज रामत्व से सराबोर हो रहा है। राममंदिर का निर्माण हुआ क्योंकि हमारा रामत्व चौतन्य–जागृत हो रहा है। हमारा संविधान केवल श्रीराम, माता सीता व भैया के लक्ष्मण के चित्र को समेटे हुए नहीं है, यह संविधान रामत्व के भाव को भी शिरोधार्य किए रहना चाहता है। हमारे संविधान का मर्म रामत्व में सराबोर रहना चाहता है। इस तथ्य को जो भारतीय शासक चिन्हित करेगा, पहचानेगा व

क्रियान्वित करेगा वही सच्चे अर्थों में भारत का स्वाभाविक व सर्वाधिक योग्य सम्राट होगा। रामत्व, भारतीय समाज, संविधान, निशान के कण–कण मन–मन में धारित हो, मनःस्थ हो, तनस्थ हो इसी में राष्ट्रसिद्धि निहित है। श्रीराम ही तो भारत के सांस्कृतिक, नैतिक और राजनैतिक मूल्यों के आदर्श, प्रेरक व स्रोत रहे हैं। उनका व्यक्तित्व एवं जीवन दर्शन हमारे संवैधानिक मूल्यों के समरूप हैं। यदि हम श्रीराम के जीवन चरित के अनुरूप अपने संविधान की कल्पना करें व शेष श्रीराम चरित को भी संविधान में वस्तुतः लागू करें तो हमें विश्व का एक श्रेष्ठतम, कालसिद्ध व कालजयी संविधान मिल सकता है। उस संविधान में वैश्विकता भी प्रदर्शित होगी व समूचे विश्व में वह लागू भी होगा। श्रीराम के उनके भवन में विराजने के पश्चात अब भारतीय समाज, संघ, सत्ता, शीर्ष का यही लक्ष्य होना चाहिये कि संविधान में रामत्व अपने संपूर्ण रूप में विराजित हो। हमारे संविधान में श्रीराम की दयालुता, समरसता, समाज एकता, न्यायप्रियता, कला प्रियता, कर्तव्य परायणता, अधिकार सिद्धता, स्थानीयता, वैश्विकता, भूमि निष्ठा, नभ प्रियता, वैज्ञानिकता, आदि आदि का समावेश हो यही अब प्रत्येक भारतीय का लक्ष्य होना चाहिये। यह संयोग एक रहस्य लग सकता है कि भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों वाले अंश में ही श्रीराम, माता सीता व भैया लक्ष्मण का चित्र ही क्यों अंकित हुआ? किसके मानस में यह क्यों आया यह कभी किसी ने कहा नहीं। श्रीराम के चित्र का योजन–नियोजन मौलिक अधिकारों वाले भाग में करने की चर्चा किसी ने नहीं कीय अर्थात् यह अनायास, निष्प्रयास, संयोगवश ही हुआ है! इस संयोग के निहितार्थ हम भारतीयों को समझ लेने चाहिये। भारतीय संविधान के प्राण उसके मौलिक अधिकारों वाले अंश में व उन श्रीराम में ही बसा करते हैं जिनका चित्र–चरित इस अंश में सारगर्भित है। संविधान के श्रीराम जी वाले चित्र के साथ कुछ अधिकारों की सुनिश्चितता (गारंटी) व राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों की अवधारणा मिलती है। संविधान के इस रामधारी अंश से ही हमें धर्म निरपेक्ष राष्ट्र की नहीं अपितु रामधर्म आधारित संविधान, समाज व राष्ट्र की प्रेरणा मिलती है। हमें धर्म निरपेक्ष नहीं अपितु राम सापेक्ष राष्ट्र चाहिये, क्योंकि राम ही मानवीयता है। भारतभूमि को, राम को, रामत्व को, केवल सनातन मानना छोड़ना होगा। हम रामत्व को सीमित न करें उन्हें उनके अपरिमित वाले स्वरूप में ही स्वीकारें। भारतभूमि के प्रत्येक जीव, जंतु, मानव हेतु रामत्व समावेशित समाज, संविधान, निशान देना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिये। समरसता रामत्व का मूल है। श्रीराम की निषादराज से मित्रता, माता शबरी के झूठे बेरों को खाना, जटायु को उसके अंतिम समय में स्नेह देना, सुग्रीव से मित्रता, हनुमान को गले लगाना आदि आदि जैसी घटनाएं उनकी कथनी व करनी में व्याप्त समरसता का ही द्योतक थी। श्रीराम द्वारा वनवासी हनुमान को भैया लक्ष्मण से भी अधिक प्रिय बताना और यह कहना कि– "सुनु कपि जिय मानसि जनि ऊना तैं मम प्रिय लछिमन ते दूना"य उनकी विशालता का प्रतीक था। श्रीराम का हनुमान को अपने सहोदर से अधिक महत्व देने का दृष्टांत आज के शासक वर्ग को व समाज के अग्रणी वर्ग हेतु प्रेरक तत्त्व होना चाहिये। जब शबरी के आंगन में बैठकर श्रीराम उसके झूठे बेर आनंदपूर्वक खा रहे होते हैं तब शबरी भाव विभोर होकर कहती है – "अधम ते अधम अधम अति नारी। तिन्ह महँ मैं मतिमंद अघारी। तब वनवासी राम उत्तर देते हैं – कह रघुपति सुनू भामिनी बाता। मानाउँ एक भागति कर नाता।। जाति पाँति कुल धर्म बड़ाई। धनबल परिजन गुन चतुराई।। भगति हीन नर सोइह कैसा। बिनु जल बारिद देखिअ जैसा।।" अर्थात्– भक्ति का ही संबंध है, जिसे वे मानते हैं। जाति, पांति, कुल, धर्म, बड़ाई, धन, बल, कुटुम्ब, गुण और चतुरता– ये सब गुण लक्षण होने पर भी भक्ति से रहित मनुष्य निर्जल बादल सदृश ही लगता है। और आगे देखिए, माता जानकी को रावण से बचाने के संघर्ष में जब जटायु के प्राण संकट में आ गये होते हैं तब गिद्धराज जटायु को अपनी गोद में लेकर स्नेह व आदर देते हैं। इसके बाद वे जटायु का अंतिम संस्कार, पुत्रभाव से विधिपूर्वक करते हैं। रावण व ताड़का जैसे अपने शत्रुओं को युद्ध में वीरतापूर्वक पराजित करना और फिर उनके सम्मानपूर्ण अंतिम संस्कार की व्यवस्था करना, जैसे कार्य उनके बड़प्पन व विशाल ह्रदयता को प्रकट करते हैं। शासक में, संविधान में समाज में रामत्व इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि राम ही शत्रुता भाव पर नैतिकता को महत्व देते थे। स्मरण कीजिए जब युद्धभूमि में दशानन का मृत शरीर पड़ा हुआ था तब उसका सहोदर विभीषण रावण के अंतिम संस्कार के लिए भी संकोच करते दिखाई देते हैं तब श्रीराम मर्यादा व्यक्त करते हुए कहते हैं– "मरणान्तानि वैराणि निर्वृत्तं नरू प्रयोजनम्। क्रियतामस्य संस्कारो ममाप्येष यथा तव।।" – बैर जीवन काल तक ही रहता है। मरने के बाद उस बैर का अंत हो जाता है। वर्तमान समय में युद्ध में नियमों को बनाये रखने व मृत शरीरों को ससम्मान अंतिम संस्कार हेतु हमारी पीढ़ी ने "हेग

...कस्मै देवाय हविषा विधेम ?

शंकर शरण

कवियित्री महादेवी वर्मा ने दशकों पहले पाया था कि हमारे बीच जाति–भेद से भी अधिक घातक पार्टी–बाजी भेद है। सो यदि हमारे नेता मंदिरों को दलीय लाभ–हानि के मंसूबे से जोड़ेंगे तो सभ्यतागत शत्रु ताक में बैठे हैं। यहाँ जो जिहादी ध्वंस 1921, 1947, 1990 आदि में बड़े पैमाने पर, और छोटे पैमाने पर अनवरत होता रहा है, वह करने वाले हिन्दुओं के अज्ञान, अहंकार, और भेदभाव से और उद्धत बनते हैं।आज हिन्दू समाज में दलबंदी की सनक से ही अज्ञान और दुराव बढ़ रहा है।?

कविगुरु टैगोर ने देखा था कि हमारे क्रियाकलापों में मुख्य को उपेक्षित कर गौण को महत्व देने की प्रथा है। उन के शब्दों में, श्देवता से अधिक पंडे की पूजाय होती है। उस अवलोकन के सौ बरस बाद हम एक सीढ़ी और नीचे आ गये हैं। अब पंडे भी पीछे भगाए जा रहे हैं! मंदिरों, चढ़ावों पर राजकीय कब्जा है (जो अंग्रेजों ने भी नहीं किया था)। आसन पर राजदलीय लोग ही कर्ता–धर्ता, पुरोहित–यजमान सब खुद बन बैठे हैं। उन के ऊपरी नेता परमपूज्य, परमाचार्य हो गये हैं। शेष समाज, उन के चरणों में दरस–परस पाकर अपने को धन्य समझे तो ठीक। वरना गालियाँ सुनने को तैयार रहे!

अभी अनेक सोशल मीडिया पोस्टरों में श्श्रीरामय्य शब्द पार्टी–प्रचार करने हेतु सजावट की चीज बना दिया गया है। उस में एक दल का नाम मोटे–मोटे अक्षरों में केंद्र में है। उस के चारों तरफ फ्रेम की तरह श्रीराम श्रीराम लिखा हुआ है। इसे किसी का निजी उत्साह समझना क्षणिक संतोष है। स्वतंत्र भारत में हमारे नेताओं, दलों ने क्रमशरू जो श्सेक्यूलरय्य, श्प्रगतिशीलय्य शिक्षा दी है, यह उसी का सामान्य परिणाम है। हमारे महान ज्ञान–ग्रंथ, और देवी–देवता या तो अंधविश्वास, मिथ्या, या फिर पार्टीबंदी के उपयोग के निमित्त मात्र हैं।

स्वतंत्रता के छिहत्तर सालों में यही हमारी प्रगति है! हमारे बड़े–बड़े नेता जो करते हैं, उस की जिम्मेदारी लेने का भी कलेजा नहीं रखते! किसी न किसी कंधे या झूठ के पीछे अपनी करनी छिपाते हैं। इसी को उन के लाखों अनुयायी होशियारी और सही मानते हैं।

इस से आज हिन्दू धर्म समाज की स्थिति समझें। अनेक नैतिक कुरीतियों की तरह इस का आरंभ भी गाँधीजी से, उन्हें श्जीसस्य्य और श्बुद्धय्य बताकर, आडंबरी प्रेम–अहिंसा के मतवाद में खुद झूमने से हुआ था। गाँधी के खलीफत–प्रेम और उसी फलक्रम से देश–विभाजन में लाखों निरीह लोगों की तबाही के बाद भी किसी को महापुरुष मान, सब कुछ उस पर छोड़, राम–राम करते जीने की विवशता यथावत है। अधिकांश दल वही मॉडल चला रहे हैं। तब आगे क्या होगा?

वही, जो स्मृतिकार ने नोट किया थारू ष्यदि नात्मनि पुत्रेषु न चेत्पुत्रेषु नप्तृषु। न त्वेव तु कृतोऽधमरू कर्तुर्भवति निष्फलरू।य (मनुस्मृति,4.173)। पाप कभी निष्फल नहीं होता। यदि कर्ता के जीवन काल में नहीं तो उस के पुत्रों, या नातियों–पोतों को अवश्य फलता है। सामाजिक क्षेत्र में इस का आशय सामूहिक कर्मफल है। अच्छा भी, बुरा भी। उद्योग, चिकित्सा, आदि में उचित कर्म का फल आज समाज में बढ़ी हुई औसत आयु है। पर राजनीति में आडंबरी त्याग, अहिंसा का अनर्थ, अनुत्तरदायी महानता, आदि कुनीतियों का फल भी समाज को लगातार भोगना पड़ा। चाहे, पहले गाँधीजी और उन का दल भी खूब फलते–फैलते दिखे थे। वहीं यह भी लिखा हैरू श्अधर्मेणैधते तावत् ततो भद्राणि पश्यति। ततरू सपत्नान् जयति समूलस्तु विनश्यति। (4.174)। अधर्मी पहले बढ़ता हुआ एवं शत्रुओं पर विजय प्राप्त करता दिखता है परन्तु, अंततरू समूल नष्ट हो जाता है।

इसीलिए उपनिषदों से लेकर महाभारत तक सभी ज्ञान–ग्रंथों में धर्म रक्षा और पालन का आदेश दृढ़ता से दिया गया है।? महाभारत और मनुस्मृति, दोनों में कठोर चेतावनी हैरू श्धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षितरू। तस्माद्धर्मो न हन्तव्यो मा नो धर्मो हतोऽवधीत्।य (वनपर्व, 313.128)। अर्थात् मरा हुआ धर्म मारने वाले का नाश, और रक्षित किया हुआ धर्म रक्षक की रक्षा करता है। इसलिए धर्म का हनन कभी न करो, ताकि मारा हुआ धर्म हमें न मार डाले।

वस्तुतरू गत हजार वर्षों में हिन्दू भारत के निरंतर पतन को समझने की कुंजी इसी चेतावनी में है। सदियों से यहाँ धर्म के नाम पर अधर्म तथा कोरा अनुष्ठान बढ़ता गया। वर्ण–कर्म को जड़–व्यवस्था में बदल कर समाज को अलग–अलग बाँट लिया गया। जिस हिन्दू ज्ञान ने श्तत्वम् अस्यि का महामंत्र खोजा, तथा श्आत्मवत् सर्वभूतेषुय्य की शिक्षा दी थी, वह आपसी अहंकार, दुराव के आचरण को धर्म समझने लगा! सदियों से छुआ–छूत, ऊँच–नीच (जिस में अब पार्टीबंदी की ऊँच–नीच भी जुड़ गई) दृ इस का सब से लज्जास्पद दृश्य है।

उसी से विधर्मियों को अवसर मिला। जैसे घाव में मक्खी को मिलता है। क्षत्रियों का शौर्य धर्म–शत्रुओं की कुटिलता, निर्भीक कटिबद्धता का प्रतिकार करने में अपर्याप्त रहा। नये प्रकार के शत्रुओं के मतवाद, उद्देश्य तथा तरीकों, आयुधों के प्रति नासमझी, और आपसी भेद–भाव हमारे अज्ञान के ही विविध पहलू थे।

हिन्दू समाज रामायण और महाभारत की महान? शिक्षाओं से दूर होता गया। जिन में हर पन्ने पर धर्म और न्याय के लिए अडने, लडने, और उस के लिए प्राण देने को तैयार रहने की सीख है। यही कारण है कि मुलतान, लाहौर से सोमनाथ तक, सैकड़ों भव्य मंदिरों में स्थापित देवता, अनुष्ठान, आदि हमारे समाज की रक्षा नहीं कर सके। वे कर ही नहीं सकते थे! क्योंकि धर्म की हमारी समझ विकृत हो चुकी थी।

कवि अज्ञेय ने लिखा हैरू श्मंदिरों में कहाँ कुछ होता है!य्य भक्त को पूजा–अराधना उतनी ही फलती है जितना वे ज्ञान, भक्ति सहित समुचित कर्म का अर्घ्य देते हैं। सिंध, पंजाब, कश्मीर, बंगाल के हिन्दू–सिख इस के वर्तमान उदाहरण हैं। सौ साल पहले उन के हजारों भव्य, सुंदर मंदिरों में विधिवत् पूजा, अर्चना, कथा, पाठ, आदि तो चल ही रहे थे। किन्तु निर्भीक, कटिबद्ध, कुटिल जिहादियों से वे सज्जन लोग अपनी रक्षा नहीं कर सके। क्योंकि समाज झूठे मतवादों से भ्रमित होकर वाल्मीकि और व्यास की ओजस्वी शिक्षा से कब का दूर हो चुका था! वह भूल गया कि राम, कृष्ण जैसे दैवी अवतारों को भी कदम–कदम पर राक्षसों, आततायियों से सीधे लडना पड़ा था। पर अपनी ही नीतियों के दायित्व से भागने वाले आडंबरी नेता यह सत्य झुठलाते रहे कि अधर्म से लडने, अधर्मियों को मिटाने, और समाज रक्षा की सशस्त्र व्यवस्था करना–रखना, और उस के लिए राजनेताओं द्वारा समुचित निर्भीक कर्म करना अनिवार्य है।

इसीलिए, आधुनिक मनीषियों ने भी मंदिर को धर्म की प्रथम सीढ़ी मात्र कहा है। स्वामी विवेकानन्द ने तो मंदिर को धर्म की श्निकृष्टतमय्य पहली सीढ़ी कहा। मंदिर में देव–प्रतिमा स्थापना भी उसी निम्नतम श्रेणी में है। असल बात उस के बाद आरंभ होती है दृ आचरण, धर्म प्रसार, अधर्म के नाश, और प्रजा–रक्षा के लिए सदैव प्रस्तुत रहना! यही संपूर्ण रामायण और महाभारत की एक मूल शिक्षा है।

अतरू वे सावधान रहें जो एक मंदिर बिल्डिंग बनाने, और पार्टी–बंदी से अन्य हिन्दुओं को ही नीचा दिखाने में उत्साहित हैं। कवियित्री महादेवी वर्मा ने दशकों पहले पाया था कि हमारे बीच जाति–भेद से भी अधिक घातक पार्टी–बाजी भेद है। सो यदि हमारे नेता मंदिरों को दलीय लाभ–हानि के मंसूबे से जोड़ेंगे तो सभ्यतागत शत्रु ताक में बैठे हैं। यहाँ जो जिहादी ध्वंस 1921, 1947, 1990 आदि में बड़े पैमाने पर, और छोटे पैमाने पर अनवरत होता रहा है, वह करने वाले हिन्दुओं के अज्ञान, अहंकार, और भेदभाव से और उद्धत बनते हैं।

आज हिन्दू समाज में दलबंदी की सनक से ही अज्ञान और दुराव बढ़ रहा है।? तरह–तरह के अल्पसंख्यक, पिछड़ा, विशिष्ट, आदि समूह बनाकर ईर्ष्या–द्वेष और पार्टी–बंदी बढ़ाई जा रही है?। विविध नारेबाजियों को शिक्षा–पाठ बनाकर बच्चों, युवाओं को चौपट किया जा रहा है। हिन्दू मंदिरों और शिक्षा पर राजकीय अधिकार है। जबकि गैर–हिन्दू संस्थान राजकीय हस्तक्षेप से स्वतंत्र हैं! ऐसा अधर्म, अन्याय और इस से बढ़ती दुर्बलता झेलते हिन्दू समाज को दलबंदी की अफीम से मस्त रखा जा रहा है। इस की भरपाई कथित विकास, या तीर्थों में भीड़ नहीं कर सकती। वह भीड़ भेड़–बकरियों के झुंड से अधिक कुछ नहीं। इसे हिन्दू धर्म के शत्रु बेहतर समझते हैं। पर अधिकांश नेताओं, बौद्धिकों के लिए पार्टी–प्रचार ही आदि–अंत बन गया है। यह सब श्अधर्मेण समूलस्तु विनश्यतेय्य की दिशा है, अथवा ऊपरी बाढ़ के नीचे कोई नई भूमि भी? इस का सही साबित होने वाला उत्तर पाना असंभव है।

आपका जीवन आपके संगी–साथियों पर निर्भर है

'अद्भुत, इस भव्य कार्यक्रम ने पूरे देश को एक धागे में पिरो दिया' इस रविवार को जयपुर में जब मैंने बड़े पैमाने पर हो रही तैयारियां देखीं तो मेरे मुंह से यही पहला वाक्य निकला। मुझसे सहमत मेरे मित्र ने कहा, इसने हमारी युवा पीढ़ी को 1528 से इतिहास को सही संदर्भ में दोबारा पढ़ने के लिए प्रेरित किया। मैंने जवाब दिया, मैं चाहता हूं कि युवा रामायण पढ़ें क्योंकि इसका हर अध्याय अपने आप में एक अलग किताब है। जब उसके चेहरे पर प्रश्नवाचक भाव आया तो मैंने उसे इस बच्चे की कहानी सुनाई।

एक ऋषि के घर में ह्रष्ट–पुष्ट–सुंदर बच्चे के जन्म के बाद ज्योतिषियों ने भविष्यवाणी की कि वह पूरी दुनिया को धार्मिकता–न्याय की शिक्षा देने वाला महाकाव्य रचेगा। हालांकि, परिवार को नहीं पता था कि बच्चे के जन्म की रात ही एक निःसंतान आदिवासी बच्चे को चुरा लेगा।

बच्चा एक अलग साम्राज्य में गया, आदिवासी महिला ने कहा कि उसने उस बच्चे को जन्म दिया है और नाम रखा रत्नाकर। वह धनुष–तीर के साथ, मांस खाते हुए बड़ा हुआ। धीरे–धीरे पापी, अत्याचारी हो गया और धर्म के मार्ग से भटक गया। बड़ा हुआ, शादी हुई और लूटपाट करके घर चलाने लगा। वह इस हद तक कठोर हो गया कि धन के अलावा हर चीज के प्रति उदासीन हो गया।

एक बार झाड़ी के पीछे छुपे रत्नाकर ने सात ऋषियों को आते हुए देखा। जैसे ही वे नजदीक आए, उसने उनका रास्ता रोक लिया, तलवार दिखाई और अपना सामान देने के लिए कहा। ऋषि ये कहकर हंसने लगे कि वे तो अपने साथ एक वक्त का अतिरिक्त खाना तक लेकर नहीं चलते। जब उसने कहा कि झूठ मत बोलो, तो उनमें से एक ने कहा, अगर तुम हमारे कुछ सवालों के जवाब दे दोगे तो हम तुम्हारी इच्छा पूरी कर देंगे। साधु ने पूछा, वह ये पाप क्यों कर रहा है? उसने कहा, परिवार के लिए। तब साधु ने पूछा कि मतलब तुम्हारे घरवाले भी इस पाप में भागीदार हैं? घर जाओ और उनसे पूछो कि पाप से कमाए इस धन में वे भागीदार होना चाहते हैं। तब तक हम यहीं रुकते हैं। ये सुनकर उसके मन में वैराग्य का भाव आ गया।

परिवार ने कहा कि उन्हें उसके पाप से कोई लेना देना नहीं है, जबकि वह कहता रहा कि उसने उनके लिए ये पाप किए। उनके जवाब से दुखी होकर वह गया और ऋषि–मुनियों के चरणों में गिर पड़ा, अपने हथियार त्याग दिए, बरगद के पेड़ के पास बैठ गया और ऋषियों के बताए अनुसार राम नाम जपना शुरू कर दिया। और फिर बाकी सब इतिहास है कि कैसे रत्नाकर से वाल्मीकि बने, जिन्होंने रामायण की रचना की।

आपमें से कितनों को उन दिनों गांवों में खेले जाने वाली रामायण याद है? एक दृश्य में दशरथ राम से नजरें नहीं मिला पा रहे थे क्योंकि वह उन्हें 14 साल के वनवास के लिए जाने को नहीं कह सकते थे। वहां कैकेयी खड़ी थीं, जो चाहती थीं कि राजा ऐसा कहें। जब ये तीन पात्र मंच पर भूमिका निभा रहे होते थे तो कई लोग पर्दे के पीछे केवल अपना सिर दिखा रही चौथी पात्र को देखने से चूक जाते थे।

वह मंथरा थी, कैकेयी की साथी। कैकेयी स्वार्थी नहीं थी। पहले तो उन्होंने राजा दशरथ के वादों को मानने से इंकार कर दिया। वो तो मंथरा थी, जिसने उन्हें राजा के दो वचन याद दिलाए। समय और परिस्थितियों ने पूरा घटनाक्रम रचा। कैकेयी की कहानी कहती है कि जीवन में अपने प्रति सच्चे बने रहें और अगर दूसरों की सनक और निर्देशों का पालन करते हैं, तो बर्बाद हो सकते हैं।

श्रीलंकाई संसद ने विवादास्पद आनलाइन सुरक्षा विधेयक पर किया मतदान, जानें क्या है ये ?

विपक्षी दलों ने विधेयक पर विचार–विमर्श के लिए और समय मांगा था। विपक्षी सांसदों और अन्य आलोचकों ने चेतावनी दी है कि ऑनलाइन सुरक्षा विधेयक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए खतरा हो सकता है। श्रीलंका की संसद ने मंगलवार को एक विवादास्पद ऑनलाइन सुरक्षा विधेयक पर निर्धारित बहस को आगे बढ़ाने के लिए मतदान किया, जिसके बारे में आलोचकों का कहना है कि इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बाधित होगी। अध्यक्ष महिंदा यापा अबेवर्धने ने यह तय करने के लिए मतदान का आह्वान किया था कि दो दिवसीय बहस आगे बढ़नी चाहिए या नहीं। 225 विधायकों में से 83 ने बहस कराने के पक्ष में वोट दिया जबकि 50 ने इसके खिलाफ वोट किया। विपक्षी दलों ने विधेयक पर विचार–विमर्श के लिए और समय मांगा था। विपक्षी सांसदों और अन्य आलोचकों ने चेतावनी दी है कि ऑनलाइन सुरक्षा विधेयक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए खतरा हो सकता है। सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री, तिरान एलेस ने बहस की शुरुआत करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बिल में संशोधन का सुझाव दिया था और बुधवार को संसद में बिल को मंजूरी मिलने के बाद उन्हें शामिल किया जाएगा। जब एलेस बोल रहे थे, एक नागरिक समूह ने विधेयक का विरोध करने के लिए संसद के पास प्रदर्शन किया। विधेयक का उद्देश्य ऑनलाइन सुरक्षा आयोग की स्थापना करना,

श्रीलंका में कुछ तथ्यों के बयानों के ऑनलाइन संचार पर रोक लगाने और प्रतिबंधित उद्देश्यों के लिए ऑनलाइन खातों और अप्रामाणिक ऑनलाइन खातों के उपयोग को रोकने के प्रावधान करना है। यह द्वीप राष्ट्र में निषिद्ध उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाने वाले ऑनलाइन स्थानों की पहचान करने और घोषित करने, वित्तपोषण को दबाने और तथ्य के झूठे बयानों के संचार के अन्य समर्थन का भी प्रावधान करता है। एशियाई इंटरनेट गठबंधन (एआईसी) ने एलेस को लिखे एक पत्र में विधेयक पर आपत्ति जताई थी।

डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ मानहानि केस में कोविड चिंताओं के कारण हुई देरी, अब इस दिन होगी गवाही

अदालत के एक अधिकारी ने कहा कि मंगलवार का सुनवाई सत्र भी बाद में रद्द कर दिया गया। मुकदमा ट्रम्प के जून 2019 में कैरोल के दावे से इनकार करने से संबंधित है कि उन्होंने 1990 के दशक के मध्य में मैनहट्टन में बर्गडॉर्फ गुडमैन डिपार्टमेंट स्टोर के ड्रेसिंग रूम में पूर्व एले पत्रिका सलाह स्तंभकार के साथ बलात्कार किया था।डोनाल्ड ट्रम्प को बुधवार को मैनहट्टन संघीय अदालत में लेखक ई जीन कैरोल के नवीनतम नागरिक मानहानि मुकदमे में गवाही देने के लिए तैयार किया जा सकता है, जो कि कोविड–19 चिंताओं के कारण दो दिन के स्थगन के बाद हुआ है। अमेरिकी जिला न्यायाधीश लुईस कपलान ने सोमवार को गवाही रद्द कर दी, जब एक जूरी सदस्य को बीमार महसूस हुआ और उसे कोविड परीक्षण के लिए घर भेज दिया गया, और ट्रम्प की वकील अलीना हब्बा ने कहा कि उसे अपने माता–पिता के साथ भोजन करने के बाद बुखार हो गया, जिनमें से एक को वायरस हो गया। अदालत के एक अधिकारी ने कहा कि मंगलवार का सुनवाई सत्र भी बाद में रद्द कर दिया गया। मुकदमा ट्रम्प के जून 2019 में कैरोल के दावे से इनकार करने से संबंधित है कि उन्होंने 1990 के दशक के मध्य में मैनहट्टन में बर्गडॉर्फ गुडमैन डिपार्टमेंट स्टोर के ड्रेसिंग रूम में पूर्व एले पत्रिका सलाह स्तंभकार के साथ बलात्कार किया था। पिछले मई में एक अलग जूरी ने ट्रम्प को अक्टूबर 2022 के इसी तरह के इनकार पर कैरोल को 5 मिलियन डॉलर का भुगतान करने का आदेश

दिया था। कपलान ने फैसला सुनाया है कि पहले परीक्षण से यह स्थापित हुआ कि ट्रम्प ने कैरोल को बदनाम किया और उसका यौन शोषण किया। दूसरे मुकदमे में नौ जूरी सदस्यों के लिए एकमात्र मुद्दा यह है कि ट्रम्प को कैरोल को कितना पैसा देना चाहिए, यदि कोई हो। 80 वर्षीय कैरोल कम से कम 10 मिलियन डॉलर की मांग कर रही हैं। स्थगन से पहले, हब्बा ने कहा कि कैरोल के वकीलों द्वारा अपना मामला पेश करने के बाद ट्रम्प गवाही देने की योजना बना रहे थे। ट्रम्प की उस राज्य के रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के प्राथमिक चुनाव के लिए मंगलवार को न्यू हैम्पशायर में रहने की योजना है, जहां वह जनमत सर्वेक्षणों में आगे चल रहे हैं।

चीन सीमा पर शक्तिशाली भूकंप, रिक्टर स्केल पर 7.1 रही तीव्रता

सिन्हुआ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, शिनजियांग भूकंप एजेंसी के अनुसार, भूकंप का केंद्र वुशी से लगभग 50 किमी (31 मील) दूर है, भूकंप के केंद्र के आसपास 20 किमी (12 मील) के दायरे में पांच गांव स्थित हैं। चीनी राज्य मीडिया ने बताया कि मंगलवार को किर्गिस्तान–झिंजियांग सीमा क्षेत्र में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें कई लोगों के घायल होने और घरों के ढहने की खबरें हैं। चीन भूकंप प्रशासन के अनुसार, भूकंप का केंद्र सुबह 2रू09 बजे (1809 ळडज) और उत्तर पश्चिम चीन के शिनजियांग क्षेत्र में

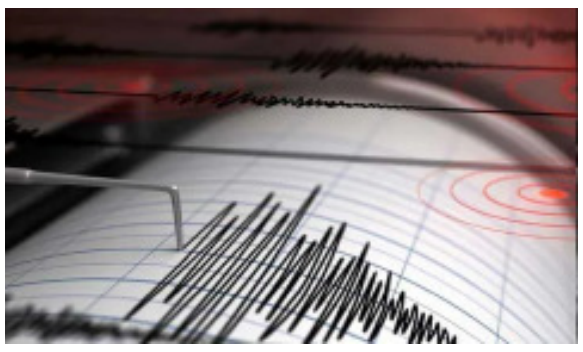

वुशी काउंटी के पहाड़ी सीमा क्षेत्र में 22 किमी (13 मील) की गहराई पर आया। सिन्हुआ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, शिनजियांग भूकंप एजेंसी के अनुसार, भूकंप का केंद्र वुशी से लगभग 50 किमी (31 मील) दूर है, भूकंप के केंद्र के आसपास 20 किमी (12 मील) के दायरे में पांच गांव स्थित हैं। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र के अनुसार, सुबह 8 बजे (0000 ळडज) तक 40 झटके दर्ज किए गए हैं। चीन के वीबो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नेटिजेंस ने बताया कि भूकंप उरुमकी, कोरला, काशगर, यिंग और आसपास के इलाकों में जोरदार महसूस किया गया। शिन्हुआ ने कहा कि शिनजियांग रेलवे विभाग ने तुरंत परिचालन बंद कर दिया और भूकंप से 27 ट्रेनें प्रभावित हुईं। चीन के भूकंप प्रशासन ने कहा कि उसने तुरंत भूकंप राहत मुख्यालय के कार्यालय और आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय के साथ मिलकर आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवाओं को सक्रिय कर दिया, और स्थानीय बचाव प्रयासों का मार्गदर्शन करने के लिए एक समूह भेजा। शिन्हुआ ने कहा कि चीन के आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने कहा कि कई विभागों ने राहत प्रयासों का समन्वय किया, सूती तंबू, कोट, रजाई, गद्दे, फोल्डिंग बेड और हीटिंग स्टोव प्रदान किए। पिछले 24 घंटों में, शिनजियांग में कुछ बड़े भूकंप आए हैं। निकटवर्ती कजाकिस्तान में, आपातकालीन मंत्रालय ने 6.7 की तीव्रता वाले नवीनतम भूकंप की सूचना दी। कजाकिस्तान के सबसे बड़े शहर, अल्माटी में, निवासी अपने घरों से भाग गए और ठंड के मौसम के बावजूद बाहर एकत्र हुए, कुछ ने पायजामा और चप्पलें पहन रखी थीं।

हमास की कमर तोड़ने की तैयारी, वित्तीय नेटवर्कों पर अमेरिका की करारी मार

ट्रेजरी ने कहा कि प्रतिबंधों को ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के साथ समन्वित किया गया था। ब्रिटेन और वाशिंगटन दोनों ने गाजा स्थित मनी चेंजर जुहीर शामलाख को निशाना बनाया, जिस पर उन्होंने ईरान से हमास में करोड़ों डॉलर के हस्तांतरण की सुविधा देने का आरोप लगाया था। संयुक्त राज्य अमेरिका ने गाजा में हमास से जुड़े वित्तीय एक्सचेंजों, एक इराकी एयरलाइन और इराक में ईरान से जुड़े मिलिशिया के समर्थकों पर प्रतिबंध लगा दिया, और उन सभी पर ईरान की विशिष्ट सैन्य और खुफिया इकाई के साथ काम करने का आरोप लगाया। अमेरिकी ट्रेजरी ने कहा कि उसने गाजा में हमास से जुड़े वित्तीय नेटवर्क पर प्रतिबंध लगाए हैं, विशेष रूप से ईरान

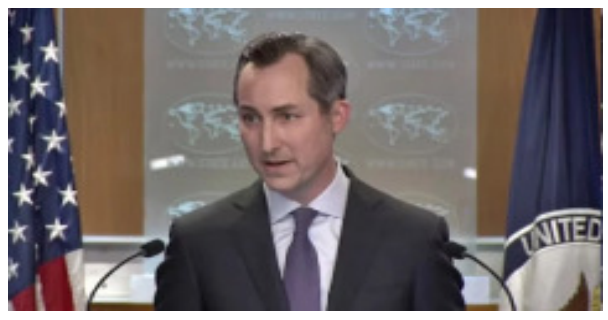

के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स कुद्स फोर्स (आईआरजीसी–क्यूएफ) से क्रिप्टोकरेंसी समेत फंड ट्रांसफर करने में सहायक वित्तीय सुविधा प्रदाताओं पर, जिसने 7 अक्टूबर को हमला किया था। ट्रेजरी ने कहा कि प्रतिबंधों को ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के साथ समन्वित किया गया था। ब्रिटेन और वाशिंगटन दोनों ने गाजा स्थित मनी चेंजर जुहीर शामलाख को निशाना बनाया, जिस पर उन्होंने ईरान से हमास में करोड़ों डॉलर के हस्तांतरण की सुविधा देने का आरोप लगाया था। इन और अन्य लक्ष्यों को मंजूरी देकर, अमेरिकी सरकार कई ईरानी समर्थित प्रॉक्सी पर नकेल कसने की कोशिश कर रही है, जिन्होंने इजरायल, अमेरिका और अन्य हितों पर हमले करने के लिए गाजा, इराक, लेबनान, सीरिया और यमन का इस्तेमाल किया है। विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने एक समाचार ब्रीफिंग में कहा कि जब ईरान और उसके कुछ प्रतिनिधियों को जवाबदेह ठहराने की बात आती है तो प्रतिबंध हमारे पास मौजूद कई लीवरों में से एक है। पटेल ने कहा कि इन कदमों का उन समूहों पर ठोस प्रभाव पड़ेगा जिन पर वाशिंगटन मध्य पूर्व को अस्थिर करने का आरोप लगाता है। उदाहरण के लिए, उन्होंने कहा, अमेरिका को उम्मीद है कि इराक की फ्लाई बगदाद एयरलाइन और उसके मुख्य कार्यकारी को काली सूची में डालने से कुद्स फोर्स के लिए सीरिया में आपूर्ति और कर्मियों को ले जाने में एयरलाइन की कथित भूमिका बाधित हो जाएगी।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर अमेरिका, ब्रिटेन, यूएई समेत विदेशी मीडिया में क्या छपा ?

अरब देश यूएई की मीडिया में भी इसका गुणगान हो रहा है। गल्फ न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि नरेंद्र मोदी का अयोध्या के हिंदू मंदिर का उद्घाटन करना भारत के लिए मील का पत्थर साबित होगा। मोदी की एकछत्र लोकप्रियता और उन्होंने भारत को जिस मुकाम पर पहुंचाया है उसका पूरा हिंदुस्तान कायल है।22 जनवरी 2024 की तारीख हमेशा के लिए इतिहास के पन्नों में दर्ज हो चुकी है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत समेत कई अतिथियों ने गर्भ गृह में पूजा–अर्चना की और प्राण प्रतिष्ठा समारोह के हिस्सेदार रहे। राम मंदिर पर विदेशी मीडिया में भी खूब चर्चा हुई। अमेरिकी मीडिया में राम मंदिर को लेकर खूब खबरें छपी हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में लिखा की मोदी ने भव्य मंदिर का उद्घाटन किया और हिंदू फर्स्ट इंडिया की जीत हुई। हिंदू राष्ट्रवादियों के लिए ये विजय का क्षण है। जिनकी राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है उनके लिए भी ये जश्न का मौका है। एनबीसी न्यूज ने कहा कि अयोध्या में मंदिर राम का मंदिर है जो प्रमुख हिंदू देवता हैं। ये मंदिर 30 लाख आबादी वाले शहर अयोध्या की कायापलट कर उसे एक पर्यटक स्थल बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। एबीसी न्यूज ने कहा कि बीजेपी दशकों से मंदिर बनाने की वकालत करती रही है और इसका उद्घाटन हिंदू बहुल भारत में मोदी की जीत के पक्ष में जाएगा। भारत की तरह ही मॉरिशस जहां की आधी आबादी हिंदू है, वहां सरकारी कर्मचारियों को दो घंटे

की छुट्टी दी गई ताकी वो प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान को देख सकें। रूस में भी राम मंदिर सुर्खियां बटोर रहा है। रशिया टुडे ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि अयोध्या में राम मंदिर के बनने से शहर की कायापलट हो गई है। भगवान राम के जन्म स्थान में अब बड़े पैमाने परइंफ्रास्ट्रक्चर का काम आगे बढ़ रहा है और जमीन की कीमतें आसमान छू रही हैं। अरब देश यूएई की मीडिया में भी इसका गुणगान हो रहा है। गल्फ न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि नरेंद्र मोदी का अयोध्या के हिंदू मंदिर का उद्घाटन करना भारत के लिए मील का पत्थर साबित होगा। मोदी की एकछत्र लोकप्रियता और उन्होंने भारत को जिस मुकाम पर पहुंचाया है उसका पूरा हिंदुस्तान कायल है। देश की आर्थिक विकास दर 7: से ज्यादा है। इसका स्टॉक मॉर्केट रिकॉर्ड कायम कर रहा है। ब्रिटेन, जर्मनी, कतर, नेपाल समेत कई देशों में राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह की खूब चर्चा हो रही है।

इजरायल को बड़ा झटका, गाजा में एक ही झटके में मारे गए 21 सैनिक

इजरायली सेना ने पहले कहा था कि आतंकवादी हमास समूह के खिलाफ 3 महीने पुराने युद्ध में इजरायली सैनिकों के लिए सबसे घातक हमलों में से एक में गाजा पट्टी में 10 सैनिक मारे गए थे। इजरायली मीडिया का कहना है कि सैनिक सोमवार को मध्य गाजा में दो इमारतों को ध्वस्त करने के लिए विस्फोटक तैयार कर रहे थे, तभी एक आतंकवादी ने पास के एक टैंक पर रॉकेट चालित ग्रेनेड दागा। इजराइल की सेना का कहना है कि मध्य गाजा में एक हमले में कुल 21 सैनिक मारे गए, जिससे युद्ध शुरू होने के बाद से यह सेना के लिए सबसे बड़ी जानमाल की हानि है। मुख्य सैन्य प्रवक्ता, रियर एडमिरल डेनियल हागारी ने पहले की संख्या को अद्यतन करते हुए मंगलवार को यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि सैनिक सोमवार को दो इमारतों

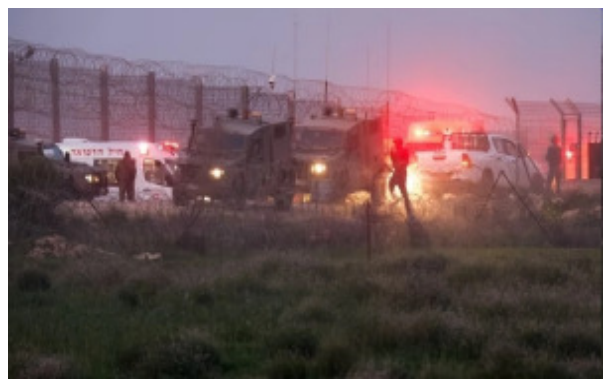

को ध्वस्त करने के लिए विस्फोटक तैयार कर रहे थे, तभी एक आतंकवादी ने पास के एक टैंक पर रॉकेट चालित ग्रेनेड दागा, जिससे समय से पहले विस्फोट हो गया। इमारतें सैनिकों पर गिर गईं। इजरायली सेना ने पहले कहा था कि आतंकवादी हमास समूह के खिलाफ 3 महीने पुराने युद्ध में इजरायली सैनिकों के लिए सबसे घातक हमलों में से एक में गाजा पट्टी में 10 सैनिक मारे गए थे। इजरायली मीडिया का कहना है कि सैनिक सोमवार को मध्य गाजा में दो इमारतों को ध्वस्त करने के लिए विस्फोटक तैयार कर रहे थे, तभी एक आतंकवादी ने पास के एक टैंक पर रॉकेट चालित ग्रेनेड दागा। विस्फोट से विस्फोटकों का विस्फोट हुआ, जिससे इमारतें अंदर सैनिकों पर गिर गईं। इजराइल के चौनल 13 का कहना है कि मरने वालों की संख्या और भी अधिक है और और नामों की घोषणा की जाएगी। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तब तक आगे बढ़ने की कसम खाई है जब तक कि इजराइल सत्तारूढ़ हमास आतंकवादी समूह को कुचल नहीं देता और गाजा में बंदी बनाए गए 100 से अधिक बंधकों की रिहाई नहीं कर लेता। इजरायली इस सवाल पर तेजी से विभाजित हो रहे हैं कि क्या ऐसा करना संभव है।

बंधकों के परिवारों और उनके कई समर्थकों ने इजराइल से संघर्ष विराम समझौते पर पहुंचने का आह्वान करते हुए कहा है कि बंधकों को जीवित घर वापस लाने का समय समाप्त होता जा रहा है। सोमवार को दर्जनों बंधकों के रिश्तेदारों ने अपने प्रियजनों की रिहाई के लिए समझौते की मांग करते हुए संसदीय समिति की बैठक पर धावा बोल दिया।

इलोन मास्क ने किया भारत का समर्थन, यूएनसी में वैश्विक देशों के सदस्य के बारे में रखी अपनी बात

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यता को लेकर दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क का साथ भी भारत को मिल गया है। एलन मस्क ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। भारत को संयुक्त राष्ट्र में स्थाई सदस्यता नाम देना बेहद हास्यास्पद हैं पद है। टेस्ला कंपनी के सीईओ एलन मस्क ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थाई सदस्यता का समर्थन किया है। एलन मस्क ने इस दौरान वैश्विक देश के सदस्यों के संबंध में अपनी बात रखी। यानी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यता को लेकर दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क का साथ भी भारत को मिल गया है। एलन मस्क ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। भारत को संयुक्त राष्ट्र में स्थाई

सदस्यता नाम देना बेहद हास्यास्पद हैं पद है। अफ्रीका को संयुक्त राष्ट्र की स्थाई सदस्यता देने की मांग को लेकर हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटरेस के एक ट्वीट के जवाब में एलन मस्क ने ये बात कही है। एलन मस्क ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के निकायों को समीक्षा करने की जरूरत है। इस संबंध में उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट किया जिसमें उन्होंने लिखा कि संयुक्त राष्ट्र के निकायों की समीक्षा होनी चाहिए। परेशानी यह है कि जिन देशों के पास ज्यादा ताकत है वो इसे छोड़ना नहीं चाहते। धरती पर भारत की सबसे अधिक आबादी है लेकिन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यता नहीं है यह बेहद हास्ध्यास्ध्पद है। बता दें कि पहले संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटरेस ने पोस्ट कर कहा था कि हम इसे कैसे स्वीकार कर सकते हैं कि अफ्रीका एक भी स्थाई सदस्य सुरक्षा परिषद में नहीं है। ीन है बड़ा रोड़ा एंटोनियो का कहना है कि संस्थानों को 80 साल पहले की दुनिया को नहीं बल्कि आज की दुनिया को दिखाना चाहिए। शिखर सम्ध्मेलन सितंबर में होने वाला है जिसमें वैश्विक प्रशासन पर फिर से विचार करने और विश्वास को बहाल करने का मौका होगा। बता दें कि टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का ये समर्थन ऐसे समय में आया है जब भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्थायी सदस्या के संबंध में बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि दुनिया कोई भी चीज आसानी से नहीं देती है। कई बार लेना भी पड़ता है। बता दें कि चीन भारत का सबसे बड़ा अवरोध है। चीन को डर है कि भारत को स्थायी सदस्यता मिलते है एशिया में चीन का प्रभुत्व कम होगा। इस कारण वो इस महत्वपूर्ण संस्था से भारत की दावेदारी को बाहर रखने के भरपूर प्रयास करने में जुटा हुआ है।

14 साल का बच्चा तड़पकर मर गया... क्या भारत के विरोध में अंधे हुए मुइज्जू ?

मालदीव की लोकल मीडिया के अलावा सोशल मीडिया में भी इस मसले पर वहां के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को घेरा जा रहा है। वहीं, अव राष्ट्रपति कार्यालय ने बयान जारी किया। राष्ट्रपति मुइज्जू ने वच्चे की मौत पर दुख जताया। मालदीव में 14 साल के बच्चे की मौत के बाद वहां सियासत तेज हो गई। विपक्षी दलों का आरोप है कि राष्ट्रपति मुइज्जू ने भारत के डोर्नियर विमान से बीमार बच्चे को इमरजेंसी एयरलिफ्ट की इजाजत नहीं दी। बच्चे को बचाया नहीं जा सका। वह ब्रेन ट्यूमर से जूझ रहा था। राष्ट्रपति कार्यालय ने घटना पर दुख जताया और बयान में निर्देश दिया कि मरीजों को इमरजेंसी ट्रांसफर करने से जुड़े निगमों को मोडिफाई किया जाए। मालदीव की लोकल मीडिया के अलावा सोशल मीडिया में भी इस मसले

पर वहां के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को घेरा जा रहा है। वहीं, अव राष्ट्रपति कार्यालय ने बयान जारी किया। राष्ट्रपति मुइज्जू ने वच्चे की मौत पर दुख जताया। उन्होंने मरीज के एमरजेंसी ट्रांसफर के दौरान हुई घटनाओं पर संबंधित अधिकारियों से जांच और रिव्यू की बात कही। साथ ही इससे जुड़े प्रोटोकॉल को संशोधित करने की बात कही। वहीं, मालदीव की सांसद मीकैल नसीम ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि भारत के प्रति राष्ट्रपति की।

शत्रुता को संतुष्ट करने की कीमत लोगों जू ने की जान नहीं हो सकती। बच्चे की मौत के मामले में विवाद बढ़ने पर मालदीव के डिफेंस मिनिस्टर मोहम्मद घसन ने कहा कि 93: एवेक्युएशन (किसी जगह से निकालना) अभी भी मालदीव की एयरलाइंस से ही किए जाते हैं। मेडिकल ऑपरेशंस में स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर के मुताविक, राष्ट्रपति को अधिसूचित करने या उनकी इजाजत लेने की जरूरत नहीं होती।

इंग्लैंड के खिलाफ विकेटकीपर के रूप में नहीं खेलेंगे केएल राहुल कोच द्रविड़ ने किया कंफर्म

मंगलवार को भारतीय मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि लोकेश राहुल इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की सीरीज में विकेटकीपर के रूप में नहीं खेलेंगे और विकेटकीपर की भूमिका के लिए केएस भरत और ध्रुव जुरेल के बीच प्रतिस्पर्धा है। भारतीय मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने मंगलवार को कहा कि लोकेश राहुल इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की सीरीज में विकेटकीपर के रूप में नहीं खेलेंगे और विकेटकीपर की भूमिका के लिए केएस भरत और ध्रुव जुरेल के बीच प्रतिस्पर्धा है। राहुल ने हाल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैच की श्रृंखला में विकेटकीपर की भूमिका निभाई थी और विकेट के पीछे शानदार प्रदर्शन किया था।इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज गुरुवार यानी 25 जनवरी से शुरू होगी। द्रविड़ ने यहां प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''राहुल इस सीरीज में विकेटकीपर के रूप में नहीं खेलेगा और हम अपने चयन को लेकर स्पष्ट हैं। हमने दो अन्य विकेटकीपर को चुना है और बेशक राहुल ने दक्षिण अफ्रीका में हमारे लिए शानदार काम किया था और हमारे सीरीज ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन (इंग्लैंड के खिलाफ) पांच टेस्ट मैच को देखते हुए और इन परिस्थितियों में खेलने को लेकर चयन दो अन्य विकेटकीपर के बीच होगा।'' भारतीय पिचों पर रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा जैसे स्पिनरों के खिलाफ विकेटकीपिंग करना किसी विशेषज्ञ के लिए भी आसान नहीं होता। बेंगलुरु के 31 साल के राहुल अपने करियर में 92 प्रथम श्रेणी मैच में से सिर्फ तीन में विकेटकीपर के रूप में खेले हैं लेकिन उन्होंने भारत में एक बार भी ऐसा नहीं किया। इसे देखते हुए टीम प्रबंधन का इंग्लैंड के खिलाफ विकेटकीपर के रूप में राहुल को नहीं चुनने का फैसला सही नजर आता है क्योंकि मेहमान टीम की क्रिकेट खेलने की 'बैजबॉल' (हर हाल में आक्रामक क्रिकेट खेलना) शैली से विकेटकीपर को बल्लेबाज को आउट करने के अतिरिक्त मौके मिल सकते हैं। ऋषभ पंत के कार दुर्घटना में चोटिल होने के बाद विकेटकीपर की जिम्मेदारी निभाने वाले भरत ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। वह बल्ले से उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन विकेट के पीछे उनके प्रदर्शन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भरत ने अपने 91 प्रथम श्रेणी मुकाबलों में से 82 भारत में खेले हैं जिसमें उनके नाम पर 287 कैच और 33 स्टंपिंग दर्ज हैं। जुरेल को अनुभव की कमी है और ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में भरत के खेलने की संभावना अधिक है। भरत ने इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट में अहमदाबाद में भारत 'ए' के लिए नाबाद 116 रन की पारी खेलकर मैच ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई जिससे उनका दावा और मजबूत होता है।

आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ ओडीआई टीम की कमान रोहित को, भारत का दबदबा

रोहित शर्मा को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम का कप्तान चुना गया जिसमें स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और मोहम्मद शमी तथा मोहम्मद सिराज की तेज गेंदबाजी जोड़ी के अलावा दो और भारतीयों को जगह मिली है। मंगलवार को रोहित शर्मा को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम का कप्तान चुना गया जिसमें स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और मोहम्मद शमी तथा मोहम्मद सिराज की तेज गेंदबाजी जोड़ी के अलावा दो और भारतीयों को जगह मिली है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बयान के अनुसार टीम में जगह बनाने वाले अधिकतर खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे भारत (उप विजेता) और ऑस्ट्रेलिया (विजेता) के अलावा सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से हैं। पारी का आगाज करने का मौका रोहित और शुभमन गिल को दिया गया है। भारतीय कप्तान ने पिछले साल एकदिवसीय प्रारूप में 52 के औसत से 1255 रन बनाए। गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 208 रन की पारी खेली और 1584 रन के साथ इस प्रारूप में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को जगह मिली है जिन्होंने पिछले साल लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और भारत के खिलाफ फाइनल में 137 रन की पारी खेली।मध्य क्रम में कोहली, न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल के अलावा दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन और मार्को यानसेन शामिल हैं। कोहली एकदिवसीय प्रारूप में 1337 रन बनाकर दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने पिछले साल छह शतक लगाए। उन्होंने एकदिवसीय प्रारूप में सर्वाधिक शतक के सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ा और विश्व कप के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए। मिशेल ने पांच शतक की मदद से 52.34 के औसत और 100. 24 के स्ट्राइक रेट से 1204 रन बनाए। क्लासेन ने भी पूरे साल बल्ले से दबदबा बनाया। उन्होंने सेंचुरियन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 174 रन की मैच विजयी पारी भी खेली। गेंदबाजी आक्रमण में सिराज, शमी और कुलदीप यादव की भारतीय तिकड़ी के अलावा ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा को जगह मिली है। जंपा ने 26. 31 के औसत से 38 विकेट चटकाए और विश्व कप के लगातार तीन मुकाबलों में चार विकेट चटकाए। वह प्रतियोगिता में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर रहे। सिराज ने पिछले साल 44 विकेट चटकाए जिसमें श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप फाइनल में 21 रन देकर छह विकेट भी शामिल रहे। भारत ने एशिया कप फाइनल में श्रीलंका पर एकतरफा जीत दर्ज की। कुलदीप ने पिछले साल 49 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विकेट हासिल किए। पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप के सुपर चार चरण में 25 रन देकर पांच विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। शमी ने पूरे साल शानदार प्रदर्शन करते हुए चार बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए।

? उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन मुंबई में विश्व कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 57 रन पर सात विकेट रहा। किसी भी भारतीय खिलाड़ी को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ महिला एकदिवसीय टीम में जगह नहीं मिली।

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय मैच, रिंकू सिंह हुए भारत ए टीम में शामिल

सीमित ओवरों के विशेषज्ञ बल्लेबाज रिंकू सिंह को इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ अहमदाबाद में बुधवार से शुरू होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए मंगलवार को भारत 'ए' टीम में शामिल किया गया। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी की झलक दिखा चुके हैं। बीसीसीआई ने सीमित ओवरों के विशेषज्ञ बल्लेबाज रिंकू सिंह को इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ अहमदाबाद में बुधवार से शुरू होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए मंगलवार को भारत 'ए' टीम में शामिल किया गया। टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी की झलक दिखा चुके मध्यक्रम के बल्लेबाज रिंकू ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में डेब्यू किया था और दो मैच में 17 और 38 रन बनाए। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 44 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं जिसमें 57.57 की औसत से 3109 रन बनाए हैं। भारत 'ए' ने पिछले सप्ताह इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ पहला चार दिवसीय मैच ड्रॉ कराया था। विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ 25 जनवरी ससे शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले दो मैचों से हट गए हैं। निजी कारणों का हवाला देकर उन्होंने पहले दो टेस्ट मैचों से हटने का फैसला किया है। उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान अभी बोर्ड को करना है, लेकिन एक बात तय हो गई है कि रजत पाटीदार, सरफराज सिंह और रिंकू सिंह को उनकी जगह पहले दो मैचों में मौका नहीं मिलेगा। ालांकि, बीसीसीआई के इस ऐलान से एक पुष्टि हो गई है कि बोर्ड रिंकू सिंह को भी टेस्ट टीम में देखना चाहती है। मिडिल ऑर्डर बैटर रिंकू सिंह ने हाल ही में केरल के खिलाफ 92 रनों की अहम पारी खेली थी। भारत 'ए' टीम अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, सरफराज खान, तिलक वर्मा, कुमार कुशाग्र, वाशिंगटन सुंदर, सौरभ कुमार, अर्शदीप सिंह, तुषार देशपांडे, विदवथ कावेरप्पा, उपेंद्र यादव, आकाश दीप, यश दयाल और रिंकू सिंह।

बीसीसीआई अवाई 2023 शुबमन गिल बने क्रिकेटर आफ द ईयर, आज बीसीसीआई करेगी सम्मानित

दरअसल, बीसीसीआई का सालाना अवॉर्ड्स प्रोग्राम आज हैदराबाद में आयोजित होगा। इस समारोह में पूर्व भारतीय दिग्गज रवि शास्त्री और मौजूदा टीम के युवा स्टार ओपनर शुबमन गिल को सम्मानित किया जाएगा। बीसीसीआई अवॉर्ड्स 2019 के बाद पहली बार आयोजित किए जा रहे हैं। बीसीसीआई के इस कार्यक्रम में इंग्लैंड की टेस्ट टीम भी शामिल रहेगी। भारतीय क्रिकेटर्स के लिए 23 जनवरी का दिन बेहद खास है। दरअसल, बीसीसीआई का सालाना अवॉर्ड्स प्रोग्राम आज हैदराबाद में आयोजित होगा। इस समारोह में पूर्व भारतीय दिग्गज रवि शास्त्री और मौजूदा टीम के युवा स्टार ओपनर शुबमन गिल को सम्मानित किया जाएगा। बता दें कि, इस अवॉर्ड शो में रवि शास्त्री को बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा जाएगा। वो भारतीय टीम के हेड कोच रह चुके हैं, उनके अलावा गिल को 2023 का क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया है। बीसीसीआई अवॉर्ड्स 2019 के बाद पहली बार आयोजित किए जा रहे हैं। बीसीसीआई के इस कार्यक्रम में इंग्लैंड की टेस्ट टीम भी शामिल रहेगी। इंग्लैंड टीम को भारत दौरे पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। जिसका पहला मुकाबला 25 जनवरी से हैदराबाद में ही खेला जाएगा। इस मामले में गिल ने विराट कोहली, रोहित शर्मा और मोहम्मद शमी को भी पछाड़ दिया है। तेज गेंदबाज शमी ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में सबसे ज्यादा 24 विकेट झटके थे। जबकि विराट कोहली और रोहित शर्मा ने भी शानदार प्रदर्शन किया था। लेकिन फिर गिल आगे हैं। वहीं साल 2023 गिल के लिए बेहतरीन रहा। वह वनडे के सबसे सफल क्रिकेटर भी रहे थे। इस एक कैलेंडर ईयर में गिल ने वनडे फॉर्मेट में 5 शतक जमाए। साथ ही इसी साल गिल ने वनडे में सबसे तेज 2 हजार रन बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है।

पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी जावेद मियांदाद का बयान, कहा– पाकिस्तान क्रिकेट की स्थिति बेहद दुखद

जावेद मियांदाद ने पाकिस्तान में क्रिकेट के संचालन के तरीके पर दुख जताते हुए कहा है कि राष्ट्रीय टीम में लगातार नियुक्तियों और बदलावों ने खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को हिला दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि, कहा कि हाल के दिनों में पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज जावेद मियांदाद ने पाकिस्तान में क्रिकेट के संचालन के तरीके पर दुख जताते हुए कहा है कि राष्ट्रीय टीम में लगातार नियुक्तियों और बदलावों ने खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को हिला दिया है। मियांदाद ने यहां सिंध प्रीमियर लीग के शुभारंभ के लिए आयोजित एक समारोह के दौरान मीडिया से कहा, ''मैंने दुनिया में कहीं भी क्रिकेट प्रशासन वैसा नहीं देखा जैसा हम पाकिस्तान में देखते हैं और ये स्थिति बेहद दुखद है। पाकिस्तान के लिए 124 टेस्ट खेलने वाले इस पूर्व कप्तान ने कहा कि हाल के दिनों में क्रिकेट प्रशासन का टीम और खिलाड़ियों पर भी

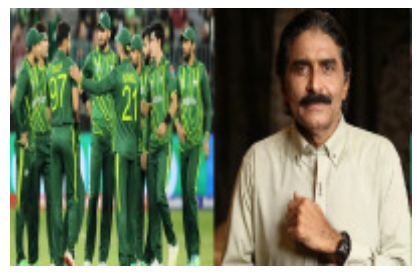

बुरा प्रभाव पड़ा है। मियांदाद ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि क्रिकेट में कहीं भी इतनी जल्दी–जल्दी नियुक्तियां और बदलाव किए जाते हैं और इसका मतलब केवल यह है कि हमारे क्रिकेट ढांचे में निरंतरता नहीं है और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि खिलाड़ियों को आत्मविश्वास नहीं मिलता।''एकदिवसीय विश्व कप के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में एक बर फिर नियुक्तियों का दौर चला है।

विराट कोहली की जगह पहले दो टेस्ट मैचों में ये तीन खिलाड़ी हैं खेलने के दावेदार

विराट कोहली पहले दो टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई द्वारा जारी मीडिया रिलीज में बताया गया है कि विराट कोहली पारिवारिक कारणों के चलते पहले दो टेस्ट मैचों से हट गए हैं। विराट को लेकर बोर्ड ने बताया है वह जानते हैं कि टीम के साथ रहना उनकी प्राथमिकता है, लेकिन परिवार से जुड़ी कुछ चीजें ऐसी होती हैं।भारत और इंग्लैंड के बीच 25 जनवरी से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होना है। वहीं पहले दो मुकाबलों के लिए टीम इंडिया का ऐलान पहले ही हो चुका है। इस टीम का हिस्सा विराट कोहली भी थे और वे पहले टेस्ट मैच के लिए हैदराबाद भी पहुंचा गए थे। लेकिन अब उन्होंने निजी कारणों के चलते पहले दो टेस्ट से अपना नाम वापस ले लिया है। जिसके बाद सवाल उठता है कि उनकी जगह किसे प्लेइंग इलेवन में मौका मिलेगा? बता दें कि, बीसीसीआई ने सोमवार को करीब 3 बजे इस बात की पुष्टि की कि, विराट कोहली पहले दो टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई द्वारा जारी मीडिया रिलीज में बताया गया है कि विराट कोहली पारिवारिक कारणों के चलते पहले दो टेस्ट मैचों से हट गए हैं। विराट को लेकर बोर्ड ने बताया है वह जानते हैं कि टीम के साथ रहना उनकी प्राथमिकता है, लेकिन परिवार से जुड़ी कुछ चीजें ऐसी होती हैं। जिनके लिए आपको आगे रहना पड़ता है। इसी कारण से वे पहले दो टेस्ट मैचों से हट गए हैं। बोर्ड ने फैंस और मीडिया से अपील की है कि टीम का साथ दें। भारतीय टीम के लिए विराट कोहली का नहीं होना एक बड़ा झटका है। वहीं घरेलू सर्किल पर नजर डालें तो इस समय विराट कोहली की जगह पर खेलने के लिए मुख्य रूप से 3 खिलाड़ी नजर आ रहे हैं। जिनमें एक सरफराज खान, दूसरे रजत पाटीदार और तीसरे चेतेश्वर पुजारा हैं। इन खिलाड़ियों ने बीते कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में खासकर, फर्स्ट क्लास क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन किया है। पाटीदार ने हाल ही में इंडिया ए के लिए 151 रनों की शानदार पारी खेली। जबकि सरफराज पिछले सीजन में बेहतरीन लय में थे।

जल्दी–जल्दी में खाना सेहत पर पड़ सकता है भारी, बढ़ जाता है इन बीमारियों का खतरा

कई रिसर्च में यह बात साबित हो चुकी है कि जल्दबाजी में खाने से सेहत पर इसका खतरनाक असर पड़ता है. जल्दबाजी में खाना खाने से कई बीमारियां घेर लेती है. इसलिए अक्सर कहा जाता है कि चबा–चबाकर खाना चाहिए. आइए इस आर्टिकल के जरिए जानें जल्दबाजी में क्यों नहीं खाना चाहिए? मॉर्डन और भागदौड़ वाली लाइफस्टाइल के दौरान लोग अक्सर जल्दबाजी में खाना खा लेते हैं. जल्दी खाना खाने के कारण शरीर को कई तरह के नुकसान हो सकते हैं. जल्दी–जल्दी ऑफिस जाने के चक्कर में लोग जल्दबाजी में खाना खा लेते हैं. लेकिन यह सेहत के लिए काफी ज्यादा खतरनाक होता है. दरअसल, लोगों को इस बात का बिल्कुल भी एहसास नहीं है कि जल्दबाजी में खाना खाने से बिना चबाए पेट में जाकर दिक्कत होती है. साथ ही खाना पचने में भी कठिनाई होती है जिसके कारण कई बीमारियां हो जाती है.

अपच की समस्या

मुंह में सलाइवा ठीक से काम नहीं करता है. जिसके कारण कार्ब्स ठीक से पच नहीं पाता है. जल्दी–जल्दी खाना खाने से अपच की शिकायत हो जाती है. पाचन में परेशानी होती है. इसलिए अच्छे से चबा–चबाकर खाना चाहिए.

डायबिटीज का खतरा

जो लोग जल्दबाजी में खाना खाते हैं उनका वजन तेजी से बढ़ता. मोटापे के कारण डायबिटीज का खतरा टाइप–2 डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है.

मोटापे की समस्या

जल्दी–जल्दी खाना खाने से मोटापा बढने लगती है. खाने को कम चबाकर खाते हैं तो पेट ठीक से भरता नहीं है. ऐसी स्थिति में आपको तुरंत भूख लग जाती है. जिसके कारण वजन बढने लगता है. अक्सर कहा जाता है कि एक बाइट को कम से चाहिए.

गले में फंस सकता है खाना

कई बार जल्दबाजी में खाना खाने से खाना गले में फंस जाता है. जिसके कारण खाना गले में अटक जाता है. इसलिए अच्छे से चबाकर खाना खाना चाहिए.

जल्दी–जल्दी में खाना खाने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम, हार्ट डिजीज, गुड कोलेस्ट्रॉल की कमी और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है.

हार्ट की समस्या से लेकर पथरी तक, इन समस्याओं में नहीं करना चाहिए फूलगोभी का सेवन

सर्दियों के मौसम में लोग बड़े ही चाव के साथ फूलगोभी की सब्जी का आनंद उठाते हैं. ये सब्जी कई लोगों की फेवरेट भी होती है. इसके अलावा ये आपके शरीर के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाती है. लेकिन थायराइड और हार्ट के मरीजों सहित कुछ लोगों को इसके सेवन से नुकसान भी हो सकते हैं. ऐसे में आपको इसके सेवन से बचना चाहिए.

लोगों को फूलगोभी का स्वाद बेहद पसंद होता है. ये सब्जी कई लोगों की पसंदीदा भी होती है. सर्दियों के मौसम में इस सब्जी के सेवन से आपके शरीर को कई फायदे भी मिलते हैं. लेकिन कई समस्याओं में इस सब्जी का सेवन आपको नहीं करना चाहिए. ऐसा करने से आपको फायदे की जगह नुकसान हो सकता है.

फूलगोभी पोटेशियम से भरपूर होती है. इसका अधिक सेवन करने से आपके शरीर में खून धीरे–धीरे गाढ़ा होने लगता है. अगर आप खून को गाढ़ा करने की दवाइयों का सेवन कर रहें है, तो ऐसे में आपको फूलगोभी के सेवन से बचना चाहिए.

अगर आप पथरी की परेशानी से गुजर रहे हैं तो ऐसे में आपको फूलगोभी का सेवन नहीं करना चाहिए. किडनी या फिर पथरी की समस्या में फूलगोभी का सेवन काफी नुकसानदायक साबित हो सकता है. गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को फूलगोभी के सेवन से बचना चाहिए. इसकी वजह से आपको गैस, एसिडिटी और कब्ज की समस्या हो सकती है. इसके अलावा आपको पेट से जुड़ी समस्याओं का भी सामना करना पर सकता है.

अगर आप थायराइड की समस्या से ग्रसित हैं तो ऐसे में फूलगोभी का सेवन आपके लिए बेहद नुकसानदायक साबित हो सकता है. इसकी वजह से टी–3 और टी–4 हार्मोन बढ़ सकते हैं.

फूलगोभी के अत्याधिक सेवन की वजह से आपको पाचन से जुड़ी समस्याओं का भी सामना करना पर सकता है. फूलगोभी को पचाना काफी मुश्किल होता है. इस वजह से आपको इसे सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए. आप इसे कच्चा खाने से भी बचें.

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 24 जनवरी 2024
sheelshukla100@gmail.com

रितिक रोशन की फिल्म फाइटर पर सेंसर की मार, किए गए कई बड़े बदलाव!

ऋतिक रोशन का हर फैन उनकी आने वाली फिल्म फाइटर का बेसब्री से इंतजार कर रहा है. ऋतिक की स्क्रीन प्रेजेंस पहली बार दीपिका पादुकोण के साथ देखने को मिलेगी. फिल्म गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज की जा रही है. लेकिन रिलीज से पहले सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने फिल्म में कुछ बदलाव करने के आदेश दिए हैं. ऋतिक रोशन की आने वाली फिल्म फाइटर रिलीज के बेहद करीब है. जैसे–जैसे फिल्म की रिलीज डेट नजदीक आ रही है. फिल्म गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज हो रही है, लेकिन रिलीज से पहले सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने फिल्म में कुछ बदलाव की मांग की थी, जो पूरी हो गई है. इसे लेकर कुछ जानकारी भी सामने आ रही है, फिल्म की सर्टिफिकेशन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, देशभक्ति की भावना से भरपूर इस फिल्म में कुछ कट्स भी किए गए हैं. यानी पास होने से पहले सीबीएफसी ने फिल्म के कुछ डायलॉग्स और सीन्स में बदलाव किया है. इश्क जैसा कुछ और शेर खुल गए गाने ने भी फैन्स के बीच फिल्म को लेकर क्रेज पैदा कर दिया है। फिल्म कुछ ही दिनों में रिलीज होने वाली है, लेकिन उससे पहले सीबीएफसी ने फिल्म में चार बड़े बदलाव किए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में धूम्रपान विरोधी संदेश को हिंदी में दिखाने के लिए कहा गया है. इसके अलावा एक आपत्तिजनक शब्द को हटाने के लिए कहा गया है, या उसे म्यूट करने के लिए कहा गया है, सीबीएफसी के मुताबिक, यह दो संवादों में आपत्तिजनक शब्द बदलने को कहा गया है. इन बदलावों के बाद फाइटर को यूए पास कर दिया गया. फिल्म की एडवांस बुकिंग 20 जनवरी से शुरू हो चुकी है, अब तक के आंकड़ों के मुताबिक फाइटर ने करीब 10 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है. 2 करोड़. यह फिल्म 25 जनवरी को आईमैक्स 3डी में रिलीज हो रही है.

फाइटर की रिलीज के साथ आएगा लापता लेडीज का ट्रेलर, सालों बाद किरण राव ने की वापसी

25 जनवरी को सिद्धार्थ आनंद की फिल्म फाइटर वर्ल्डवाइड रिलीज हो रही है. इस फिल्म में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण अहम रोल में नजर आएंगे और फैंस उन्हें साथ में देखने के लिए एक्साइटेड हैं. इस फिल्म को इंडियन एयरफोर्स की तर्ज पर बनाया गया है, जिसमें पुलवामा घटना की कहानी को दिखाया जा सकता है. गणतंत्र दिवस पर रिलीज होने वाली ये फिल्म देशभक्ति से भरी होगी और इस फिल्म के दौरान फिल्म लापता लेडीज का पूरा ट्रेलर भी दिखाया जाएगा.किरण राव के निर्देशन में बनी फिल्म लापता लेडीज एक मजेदार फिल्म होगी जिसमें एक सोशल मैसेज दिखाया जाएगा. वैसे भी किरण राव की पिछली फिल्मों में कोई ना कोई सोशल मैसेज रहा ही है. फिल्म लापता लेडीज के प्रोड्यूसर कौन हैं, और इसमें कौन–कौन से सितारे नजर आएंगे चलिए आपको बताते हैं.किरण राव की फिल्म लापता लेडीज के साथ निर्देशन की दुनिया में कई सालों के बाद लौट रही हैं. इस फिल्म का टीजर आया तब से ही फैंस इस फिल्म के लिए एक्साइटेड हैं. फिल्म लापता लेडीज का निर्देशन किरण राव ने संभाला है और इसका प्रोडक्शन आमिर खान कर रहे हैं. इस फिल्म में प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव और नितांशी गोयल जैसे बेतरीन एक्टर्सनर आएंगे और आपको इसमें धमाकेदार कॉमेडी भी दिखेगी.टीजर में जितना दिखाया गया उसके बाद लोग ट्रेलर का इंतजार कर रहे हैं हालांकि ये फिल्म 1 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. आमिर खान की फिल्में हमेशा बड़े पर्दे के अनुभव के लिए जानी जाती है. इस बात को ध्यान में रखते हुए किरण ने फिल्म लापता लेडीज के ट्रेलर को फिल्म फाइटर की रिलीज के साथ रखा है. फिल्म फाइटर 25 जनवरी को वर्ल्डवाइड रिलीज हो रही है और इसको लेकर क्रेज भी है, ऐसे में किरण राव की फिल्म को भी फायदा मिल सकता है. जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, फिल्म लापता लेडीज किरण राव के निर्देशन में बनी है जिसे आमिर खान के साथ ज्योति देशपांडे ने प्रोड्यूस किया है. इस फिल्म को आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया गया है. फिल्म की स्क्रिप्ट बिप्लब गोस्वामी की अवॉर्ड विनिंग कहानी पर आधारित है. फिल्म का स्क्रीनप्ले और डायलॉग स्नेहा देसाई ने लिखे गए हैं, जबकि बाकी डायलॉग को दिव्यनिधि शर्मा द्वारा लिखे गए हैं. जानकारी के लिए बता दें, इससे पहले किरण राव ने फिल्म धोबी घाट (2010) निर्देशित की थी जिसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला था.

वरुण धवन की अगली फिल्म में होगा एक्शन का जबरदस्त धमाका, एटली ने की खास तैयारी

2023 में शाहरुख खान अभिनीत जवान के साथ धमाल मचाने वाले निर्देशक एटली अपनी आगामी फिल्म वीडी18 की तैयारियों में जुट गए हैं।इस फिल्म में निर्देशक वरुण धवन के साथ दर्शकों को एक्शन का डोज देने के लिए लौट रहे हैं।फिल्म के ऐलान के बाद से ही सभी इसे जुड़ी हर जानकारी पर नजर बनाए हुए हैं।अब खबर आ रही है कि वीडी18 में 8 एक्शन निर्देशकों की निगरानी में वरुण खुद स्टंट करेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, वीडी18 के लिए सैंकड़ों बैकग्राउंड डांसर्स के साथ मुंबई में फिल्म के एंट्री वाले गाने की शूटिंग करने के बाद अब अभिनेता फिल्म के एक्शन से भरपूर शेड्यूल की शूटिंग करने के लिए तैयार हैं।वीडी18 से जुड़े करीबी सूत्रों के अनुसार, वरुण मार्च के अंत तक एटली और मुराद खेतानी द्वारा निर्मित इस फिल्म के सभी एक्शन दृश्यों की शूटिंग करेंगे।इसके लिए निर्माता–निर्देशक ने खास तैयारी की है।

सूत्र के अनुसार, वरुण अब फिल्म के एक्शन से भरपूर शूटिंग शेड्यूल के लिए पूरी तैयारी कर रहे हैं। टीम का इरादा 3 महीने में फिल्म के सभी एक्शन दृश्यों को शूट करने का है। एटली और मुराद हमेशा फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ तकनीशियनों के साथ काम करना चाहते थे और उन्होंने इसके लिए 8 एक्शन निर्देशकों को टीम में शामिल किया है।इस शेड्यूल में फिल्म के क्लाइमेक्स की शूटिंग भी की जाएगी।

8 एक्शन निर्देशकों में से 4 भारत से हैं और 4 विदेश से हैं। वरुण, बॉडी डबल की मदद के बिना सभी स्टंट खुद करेंगे।फिल्म की एक्शन टीम में एनल अरसु, अनबरीवु, सुनील रोड्रिग्स, यानिक बेन, कालोयान वोडेनिचरोव, मनोहर वर्मा, पानीर सेल्वम और ब्रॉनविन अक्टूबर जैसे एक्शन निर्देशक शामिल हैं।ये सभी नो टाइम टू डाई, जवान, पठान, केजीएफ, टॉम्ब रेडर, एयरलिफ्ट, सुल्तान, वर्ल्ड वॉर जेड और इंडियन 2 जैसी फिल्मों में अपना कौशल दिखा चुके हैं।

फिल्म इस साल 31 मई, 2024 को रिलीज हो वाली है। इसमें वरुण के साथ कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी और नाना पाटेकर जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं।निर्माता अगले हफ्ते एक वीडियो के साथ फिल्म के शीर्षक का ऐलान करने वाले हैं, जिसके लिए सभी खूब उत्साहित हैं।वरुण की फिल्मों की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार जाह्नवी कपूर के साथ फिल्म बवाल में दिखाई दिए थे। यह अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी।

कैटरीना कैफ की मेरी क्रिसमस की कमाई में मामूली बढ़त, 10वें दिन ऐसा रहा हाल

श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी फिल्म मेरी क्रिसमस की कहानी सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर है, जिसे समीक्षकों और दर्शकों की तरफ से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।इसमें पहली बार कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की जोड़ बनी है। दोनों की अदाकारी और फिल्म की कहानी को काफी पसंद किया जा रहा है।इसके बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी और इसकी कमाई में लगातार उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है। अब मेरी क्रिसमस की कमाई के 10वें दिन के आंकड़े सामने आ चुके हैं, जिसमें मामूली बढ़त देखने को मिली। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे रविवार 1.1 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 17.47 करोड़ रुपये हो रहा है।मेरी क्रिसमस से पहले राघवन अंधाधुन और बदलापुर जैसी फिल्में दर्शकों के बीच पेश कर चुके हैं।इसमें राधिका आप्टे और अश्विनी कालसेकर का कैमियो है। मेरी क्रिसमस की कहानी अल्बर्ट (सेतुपति) की है, जो 7 साल बाद अपने घर मुंबई लौटता है और रात को बाहर घूमने का फैसला करता है।इस रात उसकी मुलाकात मारिया (कैटरीना) से होती है। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ती हैं, लेकिन इस रात हुई एक हत्या दोनों को मुसीबत में फंसा देती है।इसके आगे कहानी रोमांचक मोड़ लेती है।मेरी क्रिसमस सिनेमाघरों के बाद नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। इस फिल्म का प्रीमियर मार्च के अंत तक किया जाएगा।

पंकज त्रिपाठी की मैं अटल हूं की कमाई में आया उछाल

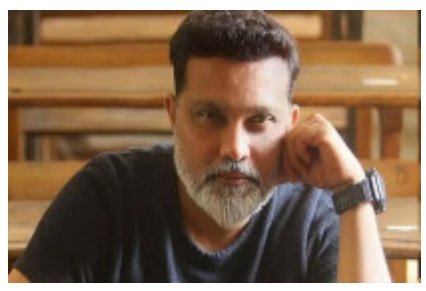

रवि जाधव के निर्देशन में बनी फिल्म मैं अटल हूं सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटा चुकी है।इसमें पंकज त्रिपाठी मुख्य भूमिका में हैं, जिन्होंने देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का किरदार निभाया है। फिल्म में उम्दा अदाकारी की काफी प्रशंसा हो रही है।मैं अटल हूं को समीक्षकों की मिली–जुली प्रतिक्रिया मिल रही है, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसकी शुरुआत कुछ खास नहीं रही।बावजूद इसके वीकेंड पर फिल्म की कमाई में मामूली बढ़त देखने को मिली। रिपोर्ट के मुताबिक, मैं अटल हूं ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन 2.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 5.65 करोड़ रुपये हो रहा है।मैं अटल हूं ने 1.15 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी।वीकेंड पर फिल्म की कमाई में उछाल आया

और दूसरे दिन इसने 2.1 करोड़ रुपये कमाए।टिकट खिड़की पर मैं अटल हूं का सामना मैरी क्रिसमस से हो रहा है। मैं अटल हूं की कहानी एनपी की किताब द अनटोल्ड वाजपेयीरू पॉलिटिशियन एंड पैराडॉक्स पर आधारित है।इसमें पीयूष मिश्रा और दया शंकर पांडे भी अहम भूमिकाओं में हैं।फिल्म को लगभग 30 करोड़ रुपये की लागत में बनाया गया है। इसकी कहानी ऋषि विरमानी ने लिखी है। ओटीटी प्ले की रिपोर्ट के मुताबिक, मैं अटल हूं सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर दस्तक देगी। इसका प्रीमियर मार्च के अंत तक किया जाएगा।

48 की उम्र में शिल्पा शेट्टी के कर्वी फिगर पर टिकी नजरें, थाई हाई स्लिट ड्रेस में किया मदहोश

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने बेशक अपनी बेहतरीन एक्टिंग करियर के दम पर दुनियाभर में एक अलग पहचान हासिल की है, लेकिन पिछले कुछ समय से वह अपनी फिटनेस के कारण चर्चा में रहती हैं. शिल्पा ने अपने लंबे करियर में एक से एक किरदारों को बहुत खूबसूरती से पर्दे पर उतारा है. हालांकि, एक्ट्रेस ने अपनी खूबसूरती और फिटनेस का ऐसा जादू चलाया कि पूरी दुनिया उनकी दिवानी हो गई. हर दिन एक्ट्रेस अपने एक नए ग्लैमरस लुक के कारण चर्चा में आ ही जाती हैं. अब फिर से उनका नया लुक वायरल हो रहा है.

शिल्पा अपने चाहने वालों के साथ जुड़ी रहने के लिए सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं. ऐसे में उनके नए लुक्स देखने को मिलते रहते हैं.

अब लेटेस्ट लुक में एक्ट्रेस को लैदर स्टाइल वाली ब्राउन थाई हाई स्लिट वन शोल्डर ड्रेस पहने हुए देखा जा रहा है. एक्ट्रेस ने इस रिवीलिंग आउटफिट को भी बहुत खूबसूरती के साथ कैरी किया है.शिल्पा ने अपने इस लुक को सटल बेस, न्यूड लिप्स और स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है. इसके साथ उन्होंने हेयरस्टाइल के साथ अपने बालों को वेवी टच देकर ओपन रखा हुआ है. शिल्पा हमेशा की तरह इस लुक में भी बेहद खूबसूरत और स्टाइलिश दिख रही हैं. उनके कर्वी फिगर को देखकर अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता कि एक्ट्रेस 48 साल की हो चुकी हैं. आज भी उन्होंने खुद को बहुत फिट रखा है.

दूसरी ओर शिल्पा शेट्टी के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों एक्ट्रेस रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स में बनी वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. इस सीरीज में उन्हें दमदार पुलिस ऑफिसर के रोल में जबरदस्त एक्शन करते हुए देखा जाएगा. इसके अलावा एक्ट्रेस केडी टाइटल से बन रही कन्नड़ फिल्म में भी नजर आने वाली हैं.

थ्रिलर ड्रामा ग्यारह ग्यारह और फॉर योर आइज ओनली में नजर आएंगी कृतिका कामरा

अभिनेत्री कृतिका कामरा अपनी आगामी थ्रिलर ड्रामा ग्यारह ग्यारह और फॉर योर आइज ओनली को लेकर पूरी तरह? से तैयार हैं। इसको लेकर उन्?होंने कहा कि यह उनके लिए एक बड़ा अनुभव है। पिछले साल अभिनेत्री ने बंबई मेरी जान में एक महिला गैंगस्टर की भूमिका निभाकर अपने प्रशंसकों को खुश कर दिया था। अब, वह एक बार फिर सीमाएं लांघने के लिए तैयार हैं।

कृतिका ने कहा, मुझे उन परियोजनाओं को चुनने में अत्यधिक संतुष्टि मिलती है जो उम्मीद से अलग होती हैं, ऐसे प्रोजेक्ट जो मुझे लोगों की अपेक्षाओं के दायरे से कहीं आगे ले जाते हैं। इस वर्ष मैं जिन परियोजनाओं पर काम कर रही हूं, विशेष रूप से थ्रिलर, वे मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखती हैं। अभिनेत्री ने कहा, मैं जिन थ्रिलर्स का हिस्सा बनने जा रही हूं वे केवल स्क्रिप्ट नहीं हैं। वे गहन अनुभव हैं जो मुझे चरित्र, भावना और रहस्य की बारीकियों का पता लगाने की चुनौती देते हैं। अभिनेत्री ने आगे बताया कि उनके करियर का यह आगामी अध्याय केवल प्रदर्शन देने के बारे में नहीं है। उन?होंने कहा, यह कहानी कहने की परिवर्तनकारी शक्ति में खुद को डुबोने के बारे में है। यह सीमाओं को आगे बढ़ाने, अपेक्षाओं को धता बताने और मेरी कला के उन आयामों को उजागर करने के बारे में है जिन्हें शायद मैं भी अभी तक पूरी तरह से उजागर नहीं कर पाई हूं। सिख्या एंटरटेनमेंट और धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा ग्यारह ग्यारह और इसके साथ ही फॉर योर आइज ओनली समीक्षकों द्वारा प्रशंसित स्कैम 92 के निर्माताओं की ओर से है।

विक्की कौशल की सैम बहादुर 26 जनवरी को ओटीटी प्लेटफार्म जी5 पर देगी दस्तक

अभिनेता विक्की कौशल की फिल्म सैम बहादुर को बीते साल 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।55 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 92.97 करोड़ रुपये का कारोबार किया था तो वहीं यह फिल्म दुनियाभर मे 100 करोड़ रुपये से अधिका का कारोबार करने में सफल रही।अब यह फिल्म अपनी ओटीटी रिलीज के लिए तैयार है।सैम बहादुर का प्रीमियर 26 जनवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर किया जाएगा। क्रस्ड्ककक मूवीज ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर सैम बहादुर की ओटीटी रिलीज की जानकारी साझा की और लिखा, एक दूरदर्शी नेता, किंवदंती और एक सच्चा नायक– सैम आपकी स्क्रीन पर राज करने के लिए पूरी तरह तैयार है। सैम बहादुर का प्रीमियर 26 जनवरी को जी5 पर होगा।सैम बहादुर का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया है। यह राजी के बाद मेघना और विक्की की बाद दूसरा सहयोग है।फिल्म में फातिमा सना शेख और सान्या मल्होत्रा भी हैं।

बिग बास 17 के घर से बाहर निकलते ही आयशा खान ने किया चौंकाने वाला खुलासा

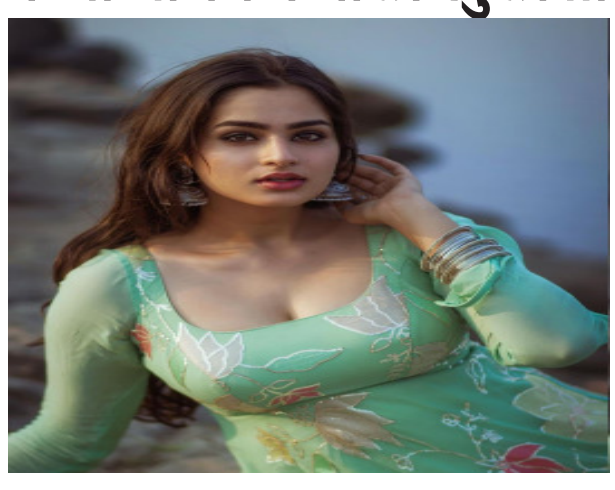

आयशा और मुन्नवर के रिश्ते पर दर्शकों ने कई सवाल उठाये थे। इसपर पूछे गए एक सवाल पर अभिनेत्री ने कहा, श्इरादा किसी को बेनकाब करने का नहीं था, बल्कि सच्चाई सामने लाने का था। मैं निडर होकर अंदर गयी और मेरा लक्ष्य कुछ मुद्दों को संबोधित करना था। बिग बॉस 17 की वाइल्डकार्ड प्रतियोगी आयशा खान घर से बेघर हो चुकी हैं। टीवी अभिनेत्री को रविवार को कम वोटों के चलते घर से बाहर निकाल दिया है। उनके साथ ईशा मालविया भी एलिमिनेट हुई हैं। बता दें, आयशा और ईशा का एलिमिनेशन सीजन के ग्रैंड फिनाले के आखिरी हफ्ते के शुरू होने से ठीक पहले हुआ है। बिग बॉस के घर से बाहर निकलते ही आयशा फिर अपनी टिप्पणियों को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल, एक प्रेस कांफ्रेंस में अभिनेत्री ने मुनव्वर फारुकी पर लगाए अपने आरोपों के बारे में बात की। इसके अलावा भी आयशा ने कई और मुद्दों पर बात करते हुए चौकाने वाले खुलासे किए हैं। आयशा खान ने बिग बॉस में एंट्री लेने से पहले मुनव्वर फारुकी पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। इन मुद्दे पर आशा ने खुलकर मीडिया से बात की। अभिनेत्री ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि मुनव्वर शो के बाहर और शो के अंदर उनसे शादी की बात कर चुके हैं। इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में आयशा ने मुनव्वर फारुकी द्वारा शादी का वादा करने के सवाल का जवाब देते हुए कहा, श्उसने नहीं किया (शादी का प्रस्ताव नहीं दिया)। मैंने शो में उनका सामना किया। उसने एक और लड़की के लिए भी प्रस्ताव भेजा और वह उसे और मुझे शादी के लिए विचार कर रहे हैं। लेकिन उन्होंने कभी भी किसी संचार में मुझसे सीधे तौर पर शादी का वादा नहीं किया। आयशा खान मुनव्वर फारुकी और उसके झूठ को बेनकाब करने के इरादे से बिग बॉस में आयी थीं। हालाँकि, एंट्री के बाद उन्हें मुन्नवर के साथ एक बांड बनाते देखा गया।

लगातार कोहरे एवं ठण्ड से बिगड़ रही मटर मसूर की फसलें

संवाददाता।

हमीरपुर । पिछले एक माह से लगातार पड़ रहे कोहरे ने मटर, मसूर, अरहर की सेहत को बिगाड़ दिया है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। मौसम साफ होने के बाद इन फसलों में हुए नुकसान का अंदाजा लग सकता है। पिछले एक माह से कोहरे के साथ पड़ रही भीषड़ ठंड का विपरीत असर दलहनी फसलों में स्पष्ट दिखने लगा है। धूप के नदारत रहने से इन फसलों का फूल पूरी तरह से गायब हो गया है। किसानों का आशंका है कि इससे मटर, मसूर, अरहर में नुकसान हो सकता है। किसान परशुराम, सुरेश यादव, इंद्रपाल सिंह, उदयभान, राजू यादव, रामेश्वर वर्मा, नरेंद्र सिंह, चंद्रजीत सिंह, मनीराम प्रजापति, लल्लू धुरिया आदि ने बताया कि लगातार कोहरे के साथ भीषण ठंड ने मटर, मसूर, अरहर की फसलों पर विपरीत असर डाला है। ध ूप न निकलने से यह फसले खराब होने लगी हैं। मौसम साफ होने के बाद इन फसलों में कोहरे एवं ठंड से हुए नुकसान का अंदाजा लगेगा।कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है। मौसम साफ होते ही फसलों की सेहत में सुधार होगा और फूल के साथ फल भी लगेंगे।

युग पुरुष बने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी

स्वामी ज्योतिर्मानंद भी रहे शामिल

हमीरपुर । रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में कस्बे के तीन संतों को भी मौजूद रहने का अवसर प्राप्त हुआ। अखंड परमधाम संस्था के संस्थापक युगपुरुष स्वामी परमानंद जी गिरी महाराज देश की जानी–मानी हस्तियों के साथ गर्भग्रह में मौजूद रहकर इस रामोत्सव के गवाह बने। इनके साथ संस्था के मुख्य संरक्षक महामंडलेश्वर स्वामी ज्योतिर्मयानंद महाराज भी मौजूद रहे। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए कस्बे के तीन संतों अखंड परमधाम संस्था के संस्थापक युगपुरुष स्वामी परमानंद जी महाराज, संस्था के मुख्य संरक्षक महामंडलेश्वर स्वामी ज्योतिर्मयानंद महाराज, ठडेश्वरी आश्रम के व्यवस्थापक स्वामी सत्यप्रकाश महाराज को निमंत्रण प्राप्त हुआ था। राम मंदिर न्यास निर्माण न्यास समिति के सदस्य युग पुरुष स्वामी परमानंद महाराज का बुंदेलखंड से बेहद लगाव रहा। यही कारण रहा कि उन्होंने कस्बे में आश्रम के साथ महाविद्यालय की भी स्थापना कर रखी है। इसके अलावा बुंदेलखंड क्षेत्र में उनके तमाम आश्रम संचालित हैं। राम मंदिर आंदोलन की अलख को उन्होंने बुंदेलखंड के कोने–कोने में जलाए रखा। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान गर्भग्रह में युग पुरुषद संघ प्रमुख मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मौजूद रहे। इनके साथ संस्था के मुख्य संरक्षक स्वामी ज्योतिर्मयानंद महाराज भी मौजूद रहे।

तहसीलदार सदर की अदालत ने अवैध कब्जा हटाने का दिया फैसला

आदेश के ढाई माह बाद भी नहीं हुई कार्यवाही

संवाददाता।

हमीरपुर । ग्राम पंचायत चंद्रपुरवा बुजुर्ग में ग्राम समाज की जमीन पर कब्जा जमाकर भवन निर्माण करने पर तहसीलदार की अदालत ने पूर्व प्रधान को कब्जा हटाने के निर्देश दिए है। कब्जा न हटाने पर इसको ढहाने के लिए कहा है। साथ ही ढाई हजार का जुर्माना लगाया है। लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

चन्द्रपुरवा बुजुर्ग के लेखपाल ने तहसीलदार की कोर्ट में अगस्त 2019 में वाद दाखिल करके आरोप लगाया था कि गांव निवासी रामबिहारी कुशवाहा ने गाटा संख्या 649 रकबा 1.1370 हेक्टेयर में 100 वर्ग मीटर में अनाधिकृत रुप से कब्जा करके पक्का मकान बना लिया है। तहसीलदार सदर की अदालत ने नौ नवंबर को अपने निर्णय में कहा कि इस भूमि पर पूर्व प्रधान रामबिहारी कुशवाहा ने अवैध कब्जा किया हुआ है। इसे हटाया जाए। उन्होंने पूर्व प्रधान पर ढाई हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कब्जा न हटाने पर इसे ढहाने के आदेश दिए गए है। पूर्व प्रधान रामबिहारी कुशवाहा ने बताया कि उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर कोई कब्जा नहीं किया है। शादी आदि बारातें ठहराने के साथ धार्मिक कार्यक्रमों के उपयोग के लिए बनाया गया है। जिसका उपयोग गांव के सभी लोग कर रहे हैं। लेकिन अभी तक इस आदेश का अनुपालन नहीं किया गया। लेखपाल प्रदीप यादव ने फोन रिसीव नहीं किया। तहसीलदार अभिनव चंद्रा ने बताया कि आदेश का अनुपालन क्यों नहीं हुआ। जानकारी कर कार्यवाही कराई जाएगी।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मण्डलीय समीक्षा बैठक 29 जनवरी को आयुक्त कार्यालय सभागार में

संवाददाता। मीरजापुर । शासन के निर्देश के क्रम में मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल डॉ. मुथुकुमार स्वामी बी. की अध्यक्षता में 29 जनवरी 2024 को आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में मण्डलीय समीक्षा बैठक की जायेगी। उक्त आशय की जानकारी देते हुये संयुक्त विकास आयुक्त अभय कुमार पाण्डेय ने बताया कि उपरोक्त निर्धारित तिथि को पूर्वान्ह 10 से 2 बजे तक विकास प्राथमिकता कार्यक्रमो की समीक्षा की जायेगी, तथा 2:30 बजे से 4 बजे तक कानून व्यवस्था एवं ट्रैफिक व्यवस्था की समीक्षा एवं 4 बजे से राजस्व विभाग, खनिज विभाग अन्तर्गत संचालित कार्यक्रमो की समीक्षा मण्डलायुक्त द्वारा की जायेगी।

25 हजार का ईनामिया गो-तस्कर पुलिस मुठभेड़ में घायल

'मौके से अवैध तमंचा, कारतूस व घटना में प्रयुक्त बिना नम्बर की बाइक बरामद

संवाददाता। मीरजापुर। पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़ तथा वांछित, पुरस्कार घोषित, ईनामियां, गो–तस्करी के अभियुक्तों की गिरफ्तारी करते हुए उनके विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष को निर्देश दिया गया है। निर्देश के अनुक्रम में थाना चुनार पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। चुनार कोतवाली पुलिस ने पर गोवध निवारण अधि ानियम व 11 पशु क्रुरता अधिनियम से सम्बन्धित ध 25 हजार का ईनामियां गो–तस्कर गोविन्द कुमार यादव पुत्र राजकुमार यादव निवासी मझियार पहाड़ थाना अहरौरा को 23 जनवरी 2024 को थाना चुनार क्षेत्रांतर्गत सिद्धनाथदरी के पास से वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी से बचने हेतु पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया गया तब पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गयी कार्यवाही में अभियुक्त के पैर में गोली लगी। पुलिस मुठभेड़ में घायल, को पुलिस अभिरक्षा में इलाज हेतु मण्डलीय चिकित्सालय मीरजापुर भिजवाया गया है। गोविन्द कुमार यादव उपरोक्त के पास से घटना में प्रयुक्त 1 अदद अवैध तमंचा 315 बोर मय 1 अदद जिन्दा व 1 अदद खोखा कारतूस व घटना में प्रयुक्त टीवीएस स्पोर्ट बाइक बिना नम्बर बाइक बरामद किया गया।

मंहगाई व भ्रष्टाचार से परेशान हैं देश व प्रदेश की जनता- अशोक

संवाददाता

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व देवरिया लोकसभा के प्रभारी अशोक सिंह कुशवाहा ने कहा की देश व प्रदेश की जनता मंहगाई व भ्रष्टाचार से त्रस्त हैं। खाद पानी व बीज की की मंहगाई से किसान चिंतित हैं,पढें लिखे नौजवान बेरोजगारी के कारण आत्महत्या करने के लिए मजबूर है। दाल, चीनी, चावल, तेल आदी रोजमर्रा की सामानों मे रोज बढोत्तरी हो रहीं हैं। जिसके चलते देश की जनता इस भाजपा सरकार से काफी परेशान हैं। इस महंगाई से निपटने के लिए लोगों को समाजवादी पार्टी के मुखिया पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना होगा।होने वाले लोकसभा की चुनाव मे प्रदेश की जनता बहुत बड़ा परिवर्तन करने जा रही है। वहीं उन्होंने यह भी कहा की विधानसभा देवरिया सदर पथरदेवा रामपुर कारखाना फाजीलनगर तमकुही मे हम लगातार 6 महीनों से भ्रमण कर रहा हूं।लोगों के सामने समस्याओं का अम्बार है, लेकिन यह भाजपा सरकार केवल लोगों को गुमराह करने मे लगी है। लोग अब परिवर्तन के लिए कमर कस लीये है। उक्त बातें लोकसभा प्रभारी अशोक सिंह कुशवाहा ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान पत्रकार वार्ता में कहीं। वहीं उनके साथ सपा नेता राजेश यादव दशरथ कुशवाहा आदी दर्जनो सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा हेतु छात्रों द्वारा निकाली गई जन जागरूकता रैली

ब्यूरो देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे स्थानीय कलिन्द इंटर मीडिएट के छात्रों ने सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु रैली निकाली गई। रैली को हरी झंडी दिखाकर विद्यालय के प्रधानाचार्य ने रवाना किया। उसके बाद विद्यालय के प्रधानाचार्य ने सभी छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के बच्चे कल के भारत के भविष्य हैं । इसलिए हमे यात्रा करते हुए यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए। हमेशा हमे बाएँ से चलना चाहिए सड़क पार करते समय दोनो तरफ देखकर ही सड़क पार करना चाहिए। चौराहे पर लगे सिगनल को ध्यान रखकर ग्रीन सिगनल होने पर ही आगे बढ़ना चाहिए। मोटरसाइघकिल के प्रयोग करने के लिए आपकी उम्र 18 वर्ष से अधिक हो। आपके पास गाड़ी चलाने के लिए लाइसेन्स हो

तो विना हेलमेट पहने किसी भी दशा में गाड़ी न चलाये तथा आपके अभिभावक भी बिना हेलमेट पहने बाहर जा रहे हो तो उन्हें हेलमेट पहनने के लिए बाध्य करें । साथ ही चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग करें बिना सीट बेल्ट के चार पहिया वाहन न चलाएं। गाड़ियो की स्पीड 40 किमी ध घण्टा से ज्यादे न हो। यदि रास्ते में कही भी किसी की दुर्घटना हुई हो तो उसकी मदद अवश्य करे और संभव तो हास्पिटल अथवा 112 नम्बर पर फोन कर पुलिस को सूचना दें ।कभी भयभीत होकर भागे नहीं। उक्त अवसर पर विद्यालय के शिक्षक रामसुमेर पान्डेय, संदीप कुमार मल्ल, श्रीनिवास सिंह, राहुल सिंह, लाल बाबु यादव , दिलीप यादव और प्रयाग यादव आदि विशेष रूप से मौजूद रहे।

रोड पर पानी बह्ने से ग्रामीणों को आने-जाने में हो रही परेशानी

संवाददाता। लालगंज, मीरजापुर। हर–घर–नल–जल योजना का शुद्ध पानी अब तक लोगों के घरों तक तो नहीं पहुंचा, लेकिन रोड पर शुद्ध पानी बहने से ग्रामीणों को आने–जाने में परेशानी जरूर हो रही है रोड पर पानी बहने की शिकायत ठेकेदार के जिम्मेदार आदमियों से कई बार किया गया लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। लालगंज विकासखंड के गंगहरा कलां गांव में स्थित प्रसिद्ध शिव मंदिर के सामने आज 10 दिनों से हर घर नल जल योजना का पानी रोड पर बह रहा है जिससे मंदिर में दर्शन पूजन करने के लिए जा रहे नंगे पैर श्रद्धालु परेशान हो रहे हैं। कई बार ठेकेदार के जिम्मेदार आदमियों से शिकायत की गई लेकिन आजतक समस्या जस की तस बनी हुई है। वहीं पर ग्रामीणों ने कहा कि हर घर नल जल योजना के तहत खोदे गए गड्ढे तो अभी तक नहीं पाटे गए। उसके बाद भी आज तक घरों तक शुद्ध पानी नहीं पहुंचा। आए दिन कहीं न कहीं रोड पर पाइप लीकेज होने से पानी जरूर सड़क पर बह रहा है। इस समय क्षेत्र में वैसे ही हाड कंपा देने वाली ठंड पड रही है ऊपर से मंदिर में दर्शन पूजन के लिए नंगे पैर श्रद्धालुओं को आने–जाने में पानी बहने से परेशानी हो रही है। ऐसे ही गंगहरा खुर्द गांव में पानी सड़क पर बह रहा है। ग्रामीण शालिग्राम दुबे, विजय शंकर दुबे, रामसिया दुबे, विंध्यवासिनी दुबे, राम जी दुबे, कृष्ण मुरारी दुबे, आदि लोगों ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लागू योजना को ठेकेदार के आदमी फ्लाप कर रहे हैं। अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे से ग्रामीणों ने मांग करते हुए कहा कि अभिलंब पाइप लीकेज को बंद करवाया जाए। जिससे ग्रामीणों को आने–जाने में परेशानियां न उठानी पड़े।

उपजिलाधिकारी भाटपरानी ने शिकायत की जाँच सही पाए जाने पर लेखपाल को निलम्बित किया

संवाददाता

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे मिली जानकारी के मुताबिक भाटपार रानी तहसील के अंतर्गत आने वाले इस तहसील क्षेत्र के अंतर्गत (कार्यरत) लेखपाल जनों के द्वारा अपना लेखपाल संघ बना कर मनमानी एवं मन बढ़ता पूर्ण कार्य कलाप के जरिए नित दिन लेखपाल अपनी नए नए कारनामे से बाज नहीं आ रहे थे ।जिनकी शिकायत लगातार जनता द्वारा अपने नवागत न्याय प्रिय उपजिलाधिकारी भाटपार रानी से की जा रही थी जो कुछ दिनों पूर्व में ही तहसील क्षेत्र के सोहनपुर बजार निवासी भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष बिट्टन कुमार गोंड बिट्टू नमक युवक पर हमला कर बेजा मारपीट एवं अपने लेखपाल संघ का दबाव बना कर युवक की गिरफ्तारी करवा कर फूले नहीं समा रहे थे। कि अब इस बीच ही पुनः इस तहसील क्षेत्र में ही आने वाले बंगरा ग्राम में लोगों के आबादी के घर के कागजात देने हेतु रिश्वत मांगने का आरोप ग्रामीणों द्वारा कागज बनाने के बदले लगते ही लेखपाल ज्ञान प्रकाश को जांच कर निलंबित कर हुए अन्य लेखपाल की तैनाती कर दी गई है। गौर तलब विगत दिनों न्यायप्रिय उपजिलाधिकारी पर लेखपाल संघ के अनर्गल दबाव में आ कर युवक की गिरफ्तारी एवं जमानत देने योग्य मुकदमें में भी सेम डे में जमानत नहीं दिए जाने की खबर सामने आई थी। और अब उनके द्वारा न्यायोचित कार्यवाही करते हुए इस बार लेखपाल संघ के बिना दबाव में आए ही रिश्वत मांगने वाले लेखपाल को निलम्बित कर हटाया है। जो अब एक संकेत है कि तहसील प्रशासन लेखपाल संघ के दबाव में आने के आरोप से मुक्त रह कर आगे जनहित में अपने द्वारा कार्यवाही कर गरीबों से रिश्वत मांगने वाले लेखपाल से सख्ती से निपटना चाहता है। बताते चलें कि रिश्वत राशि नहीं मिलने पर लेखपाल ने उनके आबादी के बने बनाए घरों को घरौंदी के कागजात दुसरे लोगों के नाम करते हुए बना कर दे देने की धमकी दी थी। इस प्रकरण में ही अब वहां के हल्का लेखपाल ज्ञान प्रकाश के निलंबित किए जाने की बड़ी खबर सामने आई है इस खबर की पुष्टि ग्राम प्रधान बंगरा संदीप यादव ने की है।

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर – घर तक पहुचाने का कार्य करे–अमरदत्त यादव

संवाददाता

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे भाजपा सलेमपुर मण्डल की कार्यकारिणी बैठक मंगलवार को सिंचाई विभाग स्थित डाकबंगले पर की गयी। कार्यक्रम में सर्वप्रथम पण्डित दीनदयाल उपाध्याय एवम डॉ0 श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया गया। मण्डल अध्यक्ष अमरदत्त यादव ने कहा कि सभी कार्यकर्ता सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर – घर तक पहुचाने का कार्य करे। आगामी 25 जनवरी को नवमतदाता अभियान का आयोजन श्रीरैनाथ डिग्री कालेज सलेमपुर में किया जायेगा। उन्होंने कहा इस बार मतदाताओं तक पहुंचने के लिए लक्ष्य के साथ युवा मोर्चा इस बार भाजपा के लिए अधिक से अधिक मतदाता आउटरीच अभियान का नेतृत्व करेगा। बैठक में नमो एप्प डाउनलोड,मन की बात एवम नारा लेखन के बारे में जानकारी दी गयी। बैठक में मुख्य रूप से महामंत्री अशोक तिवारी,पुनीत यादव,धनन्जय चतुर्वेदी, मनोज सिंह,अजय दूबे वत्स,अनूप उपाध्याय,अनूप मिश्रा,मुन्नी देवी,अनिल ठाकुर,दीपक श्रीवास्तव,पुरुषोत्तम दुबे,उमाकांत मिश्र आदि मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रकार के रंगारंग कार्यक्रमो का होगा आयोजन

संवाददाता देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 24 से 26 जनवरी 2004 की अवधि में उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के आयोजन किए जाने हेतु निर्देश दिये गये है। मुख्य विकास अधि ाकारी प्रत्यूष पाण्डेय ने उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के आयोजन के क्रम में सम्बन्धित विभागों को राजकीय इन्टर कालेज, देवरिया के प्रांगण में निर्धारित कार्यक्रमध्रदर्शनी हेतु आवश्यक निर्देश दिया है। कार्यक्रम के विवरण में उन्होंने

बताया है कि 24 जनवरी को प्रदर्शनी का उद्घाटन, सांकृतिक कार्यक्रम, निवेश, रोजगार पर आधारित संगोष्ठी, उद्यमी सम्मेलन गोष्ठी का आयोजन, लाभार्थीपरक योजनाओं के अन्तर्गत टूल किट, लाभार्थी कार्ड, छात्रवृत्ति आदि का सामूहिक वितरण किया जाएगा। 25 जनवरी को चित्रकला प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण किया जाएगा। 25 जनवरी को ही खो खो बालक प्रतियोगिता, वालीबाल बालक प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण किया जाएगा तथा प्रदर्शनीध्स्टाल का भ्रमण कार्यक्रम किया जाएगा।

124 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों एवं सहायक अध्यापकों को वितरित किया गया 190 टैबलेट

संवाददाता। लालगंज, मीरजापुर। शिक्षकों की उपस्थिति को सुनिश्चित करने के लिए ब्लॉक संसाधन केंद्र–लहंगपुर में मंगलवार को विकासखंड अंतर्गत 124 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों एवं सहायक अध्यापकों को 190 टैबलेट का वितरण छानवे विधायक श्रीमती रिंकी कोल तथा ब्लॉक प्रमुख जयंत कुमार द्वारा किया गया। छानवे विधायक रिंकी कोल ने कहा कि शासन की मंशा है कि शिक्षा में उत्तरोत्तर विकास हो इसके लिए इस तरह के तमाम प्रयत्न किया जा रहे हैं। ब्लॉक प्रमुख जयंत कुमार ने कहा कि शिक्षा की बुनियाद है प्राथमिक शिक्षा। खंड शिक्षा अधिकारी आशुतोष तिवारी ने बताया कि ष्शासन के निर्देशानुसार टैबलेट का वितरण किया जा रहा है जिससे कि शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में सुधार होगा तथा इससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। मंच का संचालन अंजना सिंह के द्वारा किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री सुध ीर तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष श्यामलाल एवं राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रध ानाध्यापक एवं सहायक अध्यापकों में मनोज तिवारी, साकेत प्रियरंजन, गिरीश सिंह, अरविंद सिंह, दिनेश चौबे, शीला सिंह आदि मौजूद रहे।

शीत लहर की चपेट में प्रयागराज

प्रयागराज। प्रयागराज भीषण शीत लहर की चपेट में है। सोमवार को प्रयागराज ने ठंड के मामले में शिमला, कुल्लू और मनाली जैसे ठंडे क्षेत्रों को भी पीछे कर दिया। प्रयागराज का तापमान रविवार की तुलना में पांच डिग्री लुढ़कते हुए सामान्य से 11 डिग्री नीचे पहुंच गया। पहले रात के तापमान में गिरावट आई फिर दिन में भी सूर्यदेव के दर्शन न देने की वजह से प्रयागराज भीषण गलन की गिरफ्त में आ गया। मौसम विज्ञानियों ने मंगलवार का न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस से भी नीचे पहुंचने की आशंका व्यक्त की है। वहीं अगले एक सप्ताह तक ठंड से राहत की उम्मीद कम है।प्रयागराज का अधिकतम तापमान 12.8 डिग्री सेल्यियस दर्ज किया गया, जबकि यह रविवार को 17.9 डिग्री सेल्यियस था। सोमवार को शिमला का अधिकतम तापमान 13.8 डिग्री सेल्सियस, धर्मशाला का 17, कुल्लू का 19.8, मनाली का 13.5 और शिमला का 13.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।मौसम का मिजाज रविवार की रात ही बिगड़ने लगा था क्योंकि दिन में चटक धूप खिली पर सूर्यास्त के बाद ही गलन हावी हो गई। इसकी वजह से सोमवार का न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया जबकि रविवार को यह 8.8 डिग्री सेल्सियस था।

प्रतियोगिता में एक हजार प्रतियोगी छात्र छात्राओं ने किया प्रतिभाग

संवाददाता। लालगंज, मीरजापुर। तहसील स्तरीय इतिहास ज्ञान संकलन काशी प्रांत की आयोजित प्रतियोगिता में एक हजार प्रतियोगी छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें माध यमिक विद्यालयों के छात्र शामिल हुए।दो विकास खंड में प्रतियोगिता में ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर बनाए गए प्रश्नों के छात्र छात्राओं ने सवाल ढूंढे। इतिहास संकलन की आयोजित प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं ने परीक्षा के सवालों को प्रतियोगिता में शामिल होने के बाद छात्र प्रश्न ढूंढते और पूछते देखे गए। बापू उपरौध इंटरमीडिएट कालेज, ब्रम्हर्षि देवराहा बाबा इंटरमीडिएट कालेज, नैडी राजकीय माध यमिक विद्यालय, बलौदा राजकीय स्कूल, भारती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आदि विद्यालय के छात्र छात्राएं प्रतियोगिता में शामिल रहे। इस प्रतियोगिता के संचालन में प्रधानाचार्य श्यामधर मौर्य, सुरेंद्र सिंह, प्रहलाद सिंह, राजेश कुमार दुबे ने बताया कि इतिहास संकलन की प्रतियोगिता में छात्रों के लिए ज्ञानवर्धक रही। इस प्रतियोगिता का निरीक्षण साधना त्रिपाठी, शशि भारती, विनोद पांडे ने किया। वहीं परिषद के पदाधिकारी ने परीक्षा से संबंधित दिशा निर्देश के मापदंड बनाए रखने पर निगरानी बनाए रखी

सुभाष चन्द्र बोस आजादी के लिए समर्पित थे– किशोर वार्ष्णेय

प्रयागराज । यूपी कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता किशोर वार्ष्णेय ने महान क्रांतिकारी, आजाद हिंद फौज के नेता एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुभाष चन्द्र बोस की 127 वीं जयंती पर कृतज्ञता पूर्ण नमन किया।उन्होंने दिवंगत नेता की सुभाष चौक, सिविल लाइंस चौराहा स्थित प्रतिमा पर अपराह्न माल्यार्पण कर देश की आजादी के लिए बेशकीमती योगदान को याद किया। कहा कि वे देश की आजादी के लिए जीवन भर समर्पित थे। नेता जी ने कहा था कि कांग्रेस जिसने भारत की स्वाधीनता की लड़ाई जीती ,वह आजादी के बाद के राष्ट्र के संपूर्ण पुनर्निर्माण कार्यक्रम में भारत के हर हिस्से एक दूसरे से जोड़ने का प्रयास करे।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।